RNI No. DELBIL/2015/66163

मयूर सँवाद

आपका मौहल्ला आपकी आवाज

दैनिक

वर्ष : 5 | अंक : 287 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 अगस्त 2020 | मूल्य : 3 रूपए | पेज: 08

प्रमुख समाचार

जेईई और नीट परीक्षा के विरोध में सपा का प्रदर्शन

लखनऊ। नीट और जेईई परीक्षा के विरोध में आज समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में राजभवन के बाहर प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ता कोरोना के मद्देनजर प्रतियोगी परीक्षा नहीं कराये जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उनकी नोकझोंक हुयी, बाद में उन्हे तितर बितर करने के लिये पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। गौरतलब है कि सपा अध्यक्ष जेईई और नीट की परीक्षा के सरकार के फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ सकते है जिसका सीधा असर उनके परिवार और घर के बुजुर्गो पर होगा।

पंजाब के 30 विधायक कोरोना पॉजिटिव

चंडीगढ। पंजाब में 30 विधायक कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं। यहां कुल विधायकों की संख्या 117 है और प्रतिशत के हिसाब से देखें तो करीब 25 फीसदी विधायक कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। पंजाब विधानसभा ने गुरुवार को सूची जारी कर इसकी जानकारी दी।

हालांकि इनमें से सात रिकवर हो चुके हैं। बावजूद इसके कई विधायक शुक्रवार को होने वाले एक दिवसीय मानसून सत्र में भाग नहीं ले पाएंगे, क्योंकि वे अपने घरों में क्वारंटीन हैं। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री तृप राजिंदर बाजवा कोरोना से संक्रमित होने वाले पहले मंत्री थे, लेकिन वो ठीक होकर दोबारा काम पर लौट चुके हैं। उनके बाद जेल मंत्री सुखजिंदर सिह रंधावा, राजस्व मंत्री गुरप्रीत कांगर और उद्योग मंत्री श्याम सुंदर अरोड़ा भी कोरोना पॉजिटिव हो गए थे। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिह ने बुधवार को कहा कि पंजाब में 117 विधायकों में से 23 अबतक कोविड-19 से संक्रमित हो चुके हैं।

नीति आयोग ने निर्यात तैयारी सूचकांक पर रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली। नीति आयोग ने प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान की साझीदारी में आज निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2020 पर रिपोर्ट जारी की जिसका उद्देश्य राज्यों की निर्यात तैयारी और निष्पादन की जांच करने के लिए चुनौतियों और अवसरों की पहचान करना, सरकारी नीतियों की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाना और एक सुविधाजनक नियामकीय संरचना को प्रोत्साहित करना है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुये नीति आयोग के उपाध्यक्ष डा. राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्व स्तर पर एक मजबूत निर्यातक बनने की असीम क्षमता है।

इस क्षमता का उपयोग करने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि भारत अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर मुड़े और उन्हें देश के निर्यात प्रयासों में सक्रिय सहभागी बनाये। इस विजन को प्राप्त करने की एक कोशिश में, निर्यात तैयारी सूचकांक 2020 राज्यों की संभावनाओं एवं क्षमताओं का मूल्यांकन करता है।

नियुक्त किए गए अध्यक्ष के पास समर्थन भी नहीं होगा : गुलाम नबी आजाद

सोनिया गांधी ने लिया बड़ा फैसला, नियुक्तियों में असंतुष्टों को किया दरकिनार

नई दिल्ली: कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नेतृत्व को लेकर लेटर लिखने वाले असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है. इसके तहत पत्र लिखने वाले नेताओं को किनारे करना शुरू कर दिया है.सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि लेटर लिखने वाले नेताओं को किनारे करने के तहत पहला कदम उठाते कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने जयराम रमेश को चीफ व्हिप नियुक्त किया है। कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष ने राज्यसभा के लिए एक समिति गठित की है। सोनिया ने पार्टी के कोषाध्यक्ष और अपने राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल वेणुगोपाल को इस समिति का सदस्य नियुक्त किया है. यह समिति राज्यसभा में आने वाले मुद्दो को देखेगी. यह समिति निश्चित रूप से उच्च सदन में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद और डिप्टी लीडर आनंद शर्मा को दरकिनार करने के साथ ही नियंत्रित

में रखने में मददगार होगी।

इन दोनों नेताओं ने आलोचनात्मक लेटर लिखने के साथ-साथ यह सुनिश्चित भी करने की कोशिश की थी कि राज्यसभा से ज्यादा नेता सोनिया के समर्थन में न आएं। यह दिखाने के लिए कि यह कवायद असंतुष्टों को दरकिनार करने के लिए नहीं की जा रही है, सोनिया गांधी ने ऐसी ही कमेटी लोकसभा में गठित की है. इसमें रवनीत सिंह बिट्टू को व्हिप और गौरव गोगोई को डिप्टी लीडर बनाया गया है। ये दोनों ही नेता गांधी परिवार के करीबी और समर्थक के रूप में जाने जाते हैं।

सोनिया ने यह भी सुनिश्चित किया है कि लेटर लिखने वाले मनीष तिवारी और शशि थरूर जैसे नेता लोकसभा में अलग-थलग पड़ जाएं। सूत्र बताते हैं कि थरूर और तिवारी, दोनों की पहचान बेहतरीन वक्ता के रूप में है लेकिन लेटर में हस्ताक्षरकर्ता होने के कारण उन्हें भी दरकिनार होना पड़ा है। ऐसा लगता है कि सोनिया की ओर से किए गए हालिया निर्णय के बाद गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा राज्यसभा में पार्टी के नेता के रूप में दिन गिनती के बचे रहें है, सोनिया के एक शीर्ष सहयोगी कहते हैं कि बदलाव के लिए कांग्रेस अध्यक्ष, संसद के मॉनसून सत्र के खत्म होने तक इंतजार करेंगी।

मोदी और अरविन्द दोनो सरकारें, बेरोजगारी और नौकरी गंवाने से चिंतित लोगों की दुदर्शा के प्रति हैं असंवेदनशील - चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली (मनप्रीत सिंह खालसा)= - दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने दिल्ली में लगातार लोगां द्वारा आत्महत्या करने के मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के कारण आए आर्थिक संकट से सबसे ज्यादा गरीब, श्रमिक, न्यूनतम एवं मध्यम वर्ग के लोग प्रभावित हुए है, जबकि भाजपा की मोदी सरकार और दिल्ली में अरविन्द सरकार बढ़ती मंहगाई से प्रभावित इन लोगों के प्रति असंवदेनशील हैं। दिल्ली व अन्य महानगरों में लॉकडाउन आर्थिकता पर भारी पड़ रहा है और व्यापारिक संस्थान बंद होने के कारण व्यापार ठप्प पड़े है, जिसका सीधा असर लोगों के रोजगार और उनकी जीविका पर पड़ा है। चौ. अनिल कुमार ने कहा कि आज समाचार पत्रों में यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि आर्थिक संकट के चलते दो जौहरी भाईयों ने आत्महत्या कर ली, जो चाँदनी चौक में अपनी ज्वैलरी की दुकान चला रहे थे। जबकि चार बच्चों के एक पिता ने पिछले 3 महीने से वेतन न मिलने के कारण आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या कर ली और एक मजबूर युवक को बेरोजगार होने

के कारण अपनी वृद्ध माँ के साथ बस स्टॉप के नीचे रहना पड़ रहा है, यह युवक वेटर की नौकरी करता था, जो लॉकडाउन के कारण चली गई। परंतु प्रतिदिन होने वाले हादसों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द पर कोई प्रभाव नही पड़ रहा है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस लगातार मांग करती रही है कि सरकार प्रत्येक परिवार को मुफ्त राशन देने के साथ-साथ प्रतिमाह 7,500 रुपये वित्तिय सहायता के रुप में देकर कोविड-19 महामारी से उभरे संकट से गरीब लोगों को कुछ हद तक सहायता मिल सकती है, जिसे कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी भी लगातार कह रहे है कि कोविड-19 महामारी के दौरान प्रत्येक परिवार को न्याय योजना के अर्न्तगत वित्तीय सहायता के साथ सूखा राशन भी दिया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने लॉन्च किया एनसीसी प्रशिक्षण मोबाइल ऐप

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नेशनल कैडेट कॉर्प्स के डायरेक्टोरेट जनरल (डीजीएनसीसी) में मोबाइल प्रशिक्षण ऐप लॉन्च किया। यह ऐप एनसीसी कैडेटों के देशव्यापी ऑनलाइन प्रशिक्षण के संचालन में सहायता करेगा। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर लगाये गए प्रतिबंधों का एनसीसी कैडेटों के प्रशिक्षण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था, क्योंकि अधिकांशत: यह संपर्क आधारित ही होता है। चूंकि निकट भविष्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों के खुलने की संभावना नहीं है, इसलिए ऐसी आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि डिजिटल माध्यम से एनसीसी कैडेटों को प्रशिक्षण दिया जा सके। रक्षा मंत्री ने ऐप की लांचिंग के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये एनसीसी कैडेटों से बातचीत भी की और उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने को प्रेरित किया।

एनसीसी कैडेटों को अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि यह ऐप उनके लिए डिजिटल तरीके से सीखने तथा प्रत्यक्ष मुलाकातों पर प्रतिबंध के कारण आईं चुनौतियों का सामना करने में उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ने वाला ही जीवन में सफलता प्राप्त करने में सक्षम होता है। राजनाथ सिंह ने एक लाख से अधिक एनसीसी कैडेटों के योगदान की सराहना की जिन्होंने कोरोना की लड़ाई में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करके अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं की सहायता की। उन्होंने कहा कि एकता, अनुशासन और देश की सेवा करने की सीख मिलने से ही एनसीसी के कई कैडेट आगे चलकर महान हस्ती बन गए। उन्होंने उदाहरण के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, एयर मार्शल अर्जन सिंह, खिलाड़ी अंजलि भागवत, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर परिकर के नाम गिनाये। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे खुद भी एनसीसी कैडेट रह चुके हैं। डीजीएनसीसी मोबाइल प्रशिक्षण ऐप का उद्देश्य एनसीसी कैडेटों को एक प्लेटफार्म पर समस्त प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना है। इस ऐप को परस्पर संवादमूलक बनाया गया है।

पेड न्यूज से कहीं ज्यादा खतरनाक हैं फेक न्यूज: प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेड न्यूज से कहीं ज्यादा खतरनाक फर्जी खबरें (फेक न्यूज) हैं और इस खतरे से निजात पाने के लिए डिजिटल सामग्री प्रकाशित करने से पहले उन्होंने स्वनियमन की आवश्यकता पर बल दिया। उद्योग जगत के संगठन आईएएमएआई की ओर से आयोजित एक डिजिटल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जावड़ेकर ने कहा, फर्जी खबरों के मुकाबले पेड न्यूज बहुत ही हल्का है। फर्जी खबरों में शांति भंग करने की प्रबल ताकत होती है। सोशल मीडिया मंचों पर जनता की राय में छेड़छाड़ कर उसे दिखाना सार्वजनिक जीवन में एक गंभीर खतरे के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरों से दुनिया भर के देश प्रभावित हुए हैं और बहुत से देश इसके खतरे से निपटने के लिए कदम भी उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, स्वनियमन की एक व्यवस्था होनी चाहिए नहीं तो इसके दुष्प्रभावों से कोई नहीं बच सकेगा। यह सिर्फ राजनीतिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। हर क्षेत्र में इसका दुष्प्रभाव होगा। फर्जी खबरें पेड न्यूज से कहीं ज्यादा खतरनाक है और हमें इसका सामना करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिजिटल सामग्री अखबारों के प्रिंट संस्करणों से अधिक शक्तिशाली हो गए हैं। व्हाट्सएप जैसे मंचों से इधर एक संदेश जारी हुआ और उधर जो नुकसान होना था वह हो गया। जावड़ेकर ने कहा, पहले पत्र सूचना कार्यालय में हम खबरें पढ़ा करते थे औा समाचार चैनलों की खबरों को देखते सुनते थे। हर शाम हम स्पष्टीकरण के लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी किया करते थे। आज क्या है। सुबह कोई एक ट्वीट कर देता है और आप इस पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं तो नुकसान हो जाता है। यह बिजली की गति से होती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने फर्जी खबरों की पहचान करने और उसके बारे में जनता को अवगत कराने के लिए अलग से एक इकाई गठित किया है। उन्होंने कहा, हम निश्चित तौर पर फर्जी खबरों पर नजर बनाए हुए हैं इसलिए अक्टूबर 2019 में हमने पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट का गठन किया है।

हालात मुश्किल है नामुमकिन नहीं..

त्यौहारों का मौसम शुरू हो चुका है,किंतु यह वर्ष हम सबके लिए एक सामान्य वर्ष जैसा नहीं है। प्रति वर्ष हम हर त्यौहार को बड़ी ही धूम-धाम से मनाते हैं, किंतु इस वर्ष सब समस्याओं की गिरफ्त में हैं। हम सब भली – भांति जानते हैं कि इस समय भारत ही नहीं पूरा विश्व ही %कोरोना संक्रमण% जैसी त्रासदी से गुज़र रहा है। जिसका अभी तक कोई उपयुक्त इलाज ईज़ाद नहीं हुआ है। सावधानी और बचाव ही इसका एकमात्र उपाय है। %कोरोना संक्रमण% के दौरान हम सबको ही बचाव के रूप में सामाजिक दूरी व मास्क का पालन करते हुए अपने- अपने घर पर ही रहना है और कई प्रकार से सावधानी बरतनी हैं। इन कारणों से हम सभी प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष अपने त्यौहारों को नहीं मना पाएंगे, लेकिन इस बात को लेकर हमें मायूस होने की आवश्यकता बिल्कुल नहीं है। मायूस होने की अपेक्षा हमें पूरी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यद्यपि अनलॉक की प्रक्रिया धीरे-धीरे प्रारंभ हो गई है किंतु स्थिति अभी इतना सुधार नहीं हुआ है कि हम पूरी तरह से बेफिक्र होकर बिल्कुल सामान्य हो जाएँ। दिल्ली जैसे बड़े-बड़े शहरों में आज भी संक्रमितों की संख्या में प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है, किंतु राहत की बात यह है कि अब सरकार, डॉक्टर, पुलिस और सामान्य जनता भी सबकी कोशिशों से लड़ना सीख गए हैं।

अब जब हम लड़ना सीख गए हैं, तो इस साल सभी त्योहारों को मनाएगें जरूर है, पर पूरी सावधानी के साथ, क्योंकि हमारी एक छोटी सी चूक भी हमारे लिए संक्रमण का खतरा ला सकती है। इसलिए अनलॉक होने पर हमें हर कदम बहुत ही सावधानी से रखना है। इसके लिए सबसे पहले जरूरी फिर से वही है कि हम अपनी सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करें।

बारिश का मौसम चल रहा है। नमी वाले मौसम की वजह से सामान्यत: ही बहुत सी बीमारियां जैसे, सर्दी – जुखाम, खांसी, सिर दर्द, बुखार, शरीर में दर्द, फंगल इंफेक्शन, बैक्टीरियल इंफेक्शन और वायरल इंफेक्शन जैसी बीमारियाँ हो जाती हैं। लेकिन इस बार इनके बचाव के साथ-साथ कोरोना संक्रमण से भी बचाव करना है, क्योंकि कोरोना संक्रमण का वायरस कम तापमान और ज्यादा आद्रता वाले स्थानों पर जल्दी पनप जाता है। इसलिए हमें नमी से अधिक से अधिक बचाव करने की कोशिश करना है।

भारत और जर्मनी के वैज्ञानिकों के एक दल के अनुसार कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सामाजिक दूरी और मास्क लगाने के साथ-साथ घर के अंदर ही आद्रता को नियंत्रित करना जरूरी है। घरों के साथ-साथ ऐसे कई जगहों फर जहाँ बहुत से लोग कार्य करते हैं जैसे, अस्पताल, कार्यालय या सार्वजनिक वाहन आदि के भीतर का मानक तय किया जाए।

एरोसॉल एंड एयर क्वालिटी रिसर्च नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र में वैज्ञानिकों ने आद्रता के अध्ययन का मुख्य आधार बनाया है और बताया कि 40 से 60 व्यास वाली बूंदे हवा में 9 मिनट तक कर सकती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार बूंदों में मौजूद सूक्ष्म जीवाणुओं पर आद्रता का प्रभाव पड़ता है। इसलिए सतह पर उपस्थित आद्रता वायरस की सक्रियता या निष्क्रियता के लिए जिम्मेदार होती है। इसलिए सीएसआइपीएल के वैज्ञानिक तथा शोध के सह लेखक सुमित कुमार मिश्रा ने कहा है, आद्रता का प्रतिशत भवनों और स्थानीय परिवहन में कम से कम 40त्न से कम हो। जो कोविड-19 के प्रभाव को कम करता है।

इसी के साथ-साथ त्यौहारों के दौरान सार्वजनिक जगहों पर समूह के रूप में इकट्ठा न होकर अपने-अपने घरों के अंदर प्रत्येक त्यौहार को शांति और आनंद के साथ मनाएँ। बाजार और बाहर की खाद्य सामग्री का प्रयोग सावधानी से करें। हो सके तो मिठाइयाँ घर पर ही बनाएं।

अंतत:इन सबके चलते मन में उदासी या दुख लाने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं। क्योंकि हमारी सावधानी और नियमों का पालन ही हमारी और हमारे अपनों की सुरक्षा का एकमात्र उपाय है। हम भारतवर्ष के निवासी हैं जहां अपनों के लिए कुछ भी कर जाते हैं तो यह तो सुरक्षा की बात है। यह जंग भी हम जीत ही जाएंगे क्योंकि हालात मुश्किल हैं, ना मुमकिन नहीं।

लक्ष्मी सैनी
अम्बाह,मुरैना (मध्यप्रदेश)

फूलों सा मुस्कुराना जिंदगी,
ग़मो को हराना जिंदगी ।
खेतों को लहलहना जिंदगी
भूख के लिए कमाना जिंदगी ।
प्रेम में दीवाना जिंदगी
कुछ अलग करके दिखाना जिंदगी ।
मौसम हो सुहाना जिंदगी,
झरनों में नहाना जिंदगी ।
दुश्मन है जमाना जिंदगी
रिश्तों को निभाना जिंदगी ।
जरूररतो के लिए ललचाना जिंदगी
गानों को गुनगुनाना जिंदगी ।
न जाने क्या है जिंदगी ?
समझना और समझाना जिंदगी
बचपन से युवा
युवा से अधेड़
अधेड़ से बुढ़ापा
बुढ़ापे के बाद मौत को गले लगाना जिंदगी ।

केशव किशोर 'क्रिस्टोफ़र'
झाँसी उत्तर प्रदेश

मास्क को मुँह में पहन ले

पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

वैद्य को पता नही
है चली कैसी बीमारी!
किस कदर अनुमान कर लें
छू न सकता जो वो नाड़ी।
अनगिनत रोगी हुए हैं
कुछ पता कुछ लापता से
नृप भी हिम्मत हार बैठा
कैसे बच लें आपदा से।

घर में रहना सीख राही
कुछ और दिन आराम कर ले
पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

है अनिश्चित किस जगह पर
रोग के वाहक मिलेंगे
खुले में जो खांस बैठे
प्राणों के ग्राहक मिलेंगे।
यात्रा न खत्म हो ले
बीच पथ में आज तेरी
थोड़ा सा उद्योग कर लें
है भली थोड़ी सी देरी।

हाथ अपने साबुनों से
जल के संग में खूब मल ले
पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

वक्त कहता है ये सुन लो
औरों को न आने दो निलय में
दावतें सब भूल जाओ
सादगी रख इस समय में।
रे मनुज तू दग्ध मत हो
दौर ये भी बीतना है
यह कोरोना शत्रु सेना
तुझ को लड़ के जीतना है।

सह सके जो वार उनका
कवच और कुंडल पहन ले
पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

स्वप्न है पहले सी दुनिया
है रहे हम कैद होकर
पर कटे से पक्षियों सम
जी रहे हम आज घुटकर।
रास्ते में कोई खांसा
भय से हम पथ छोड़ देते
अब नही है हाथ मिलते
हाथ अपना जोड़ देते।

फिर भी सैनिटाइजर को
हाथ पर अपने रगड़ ले
पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

यह भला क्योंकर हुआ है
सोच इस पर दिन बिताना
जो अपरिमित लोभ तेरा
लुट रहा तेरा ठिकाना।
काटता है मनुज देखो
डाल वह जिस पर बैठा
भिड़ सकेगा कुदरतों से?
रे मनुज किस हेतु ऐंठा!

मांग लो? वसुधा से माफी
कान को अपने पकड़ ले
पूर्व चलने के बटोही
मास्क को मुँह में पहन ले।

मधुकर वनमाली
मुजफ्फरपुर बिहार

कुर्सी की खुमारी

हमने कोशिश से निष्पक्ष जिदंगी गुजारी है,
चारो तरफ पक्षपात करते फैले शिकारी है।
चाटुकार झोंके संग जली ऐसी चिंगारी है,
ईमानदारी पर लगातार दबाव होता जारी है।
धुर्त अपनी चालों से श्रवणेन्द्रियों में जहर घोल,
पैदा कर मुश्किले दिखाते कितनी होशियारी है।
अन्याय के विरुद्ध आवाज को ही हथियार बना,
जंग जिस्त की दोस्तों हौंसलों से ही जारी है।
ओहदे से संक्रमित होती जो अहम की बीमारी,
आखिर कितने दिन तक कुर्सी की ये खुमारी है।
सदव्यवहार का दीपक जीते जी ही जला लो,
जाने कब हार जाओगे जिदंगी से, ये जुआरी है।
मेरे साथ बिताये पलों को फुर्सत में जब सोचोगे,
तब 'सीमा' मुरीद होने की,फिर तुम्हारी बारी है।

सीमा लोहिया
झुंझूनू (राजस्थान)

रिश्ता

यह कैसा रिश्ता
हम गढ़ते जा रहे हैं
खुद ही लिख रहे हैं,
खुद ही पढ़ते जा रहे हैं,

अपने नजरों से अब हम,
तेरे सपने सजाए जा रहे हैं,
एहसास कर तुझको खुद में,
खुद ही खुद को भाए जा रहे हैं,

सोच कर तुझको हम,
खिलखिलाए जा रहे हैं,
करके वादा तुझसे ख्वाबों में,
हम वो वादा निभाए जा रहे हैं,

हम यह क्या करते जा रहे हैं,
क्या-क्या हम गढ़ते जा रहे हैं,
चाहने लगे हैं तुझको ख्वाबों में,
ख्वाबों में तुम पर मरते जा रहे हैं

मनोहर कुमार सिंह
भागलपुर, बिहार

राजनीति का चरित्र

सत्ताधारी सब पर भारी,
कलयुग के अद्भुत अवतारी,
जो करें सब सही और निष्पक्ष ही होता है।
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

कल तक जो लुटेरा था,
जिनका कठघरे में डेरा था,
सत्ता पाकर वही खजाना का संरक्षी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

किसकी बिसात जो एक शब्द भी,
बोल दे सत्ताधारी लोगों के खिलाफ,
सत्ताधारी के निकले आंसू मगरमच्छी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

कल जो लूटते रहते हैं,
सत्ता पाकर छुटते रहते हैं,
विपक्ष में पहुंचते ही उनका भी हंसी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

किसे ठहराएंगे दोषी आप,
सत्ताधारी को या विपक्ष को,
जो आज पक्ष में है,कल सत्ता का विपक्षी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ़ विपक्षी होता है!!

भ्रष्टाचार दूर करेंगे का नारा,
बुलंद होता है प्रत्येक चुनाव में,
सत्ताधारी की हर बात सच्ची होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्ष होता है!!

सत्ताधारी के पांचों उंगली घी में,
करते वही है जो होता है उनके जी में,
उस घी पर कुछ बैठा मच्छी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्ष होता है!!

चाहे तो छीन ले रोजी-रोटी,
या छीन ले सबसे रोजगार,
हर राजनेता सत्ता पाकर एक हट्ठी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्ष होता है!!

भाईचारा खत्म हो जाए,
चाहे अर्थव्यवस्था लूट जाए,
सत्ताधारी का कोई दांव क्या कच्ची होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

बहू बेटियों की अस्मत लूट जाए,
सड़कों पर खून की धार फूट जाए,
हर समस्या सत्ताधारी के लिए अच्छी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

शिक्षा चौपट,स्वास्थ्य चौपट,
चाहे चौपट हो जाए व्यापार,
सत्ताधारी का बहाना हर फाइल में नत्थी होता है!
भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्षी होता है!!

पड़ोसियों से संबंध हो या,
आंतरिक मामला हो खराब,
यहां सत्ता पाने के लिए सिर्फ रात जगी होता है!
भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्षी होता है!!

नदी सफाई हो या पर्यावरण,
या आतंक का बन रहा वातावरण,
सत्ताधारी की हर सफाई पक्की होता है!
भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्षी होता है!!

इतिहास बदल दो,भूगोल बदल दो,
बदलकर रख दो भारतवर्ष का सविधान,
सत्ता बदलते पहले का कानून-परंपरा रद्दी होता है!
भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्षी होता है!!

कुछ कलम बिक चुके हैं,
ज्ञान के सागर सूख चुके हैं ,
कहीं पत्रकारिता भी सत्ता का परपोषी होता है!
भ्रष्टाचारी तो सिर्फ विपक्षी होता है!!

विपक्षी पिंजरे में कैद चिड़ियां,
सत्ताधारी उसे पाले या उड़ा दे,
सत्ताधारी के सारे निर्णय खरगोशी होता है!
भ्रष्टाचारी सिर्फ विपक्षी होता है!

गोपेंद्र कु सिन्हा गौतम
सामाजिक और राजनीतिक चिंतक
औरंगाबाद बिहार

सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर कर रहे हैं प्रदेश के किसानों के साथ धोखा : बलराज कुंडू

नई दिल्ली (मनप्रीत सिंह खालसा)- जिन नेताओं को प्रदेश के किसानों ने बड़ी उम्मीदों के साथ चुनकर विधानसभा में भेजा हो अगर वे ही किसान-मजदूर और गरीब की आवाज नहीं सुनेंगे तो आखिर ये मेहनतकश लोग कहाँ जाएंगे ? यह गंभीर सवाल उठाया है महम के निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने। आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों से मुखातिब कुंडू ने कल सम्पन्न हुए विधानसभा सत्र को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए और सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कल सदन में प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल के नेता का रवैया देखकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वह बात भी सच दिखाई दी जिसमें उन्होंने अपनी ही पार्टी के कई नेताओं की भाजपा के साथ मिलीभगत बताई थी।

बलराज कुंडू ने कहा कि जो नेता किसानों की वोट हासिल करके विधायक बने हैं उनकी ड्यूटी बनती है कि वे अन्नदाता के हितों की रक्षा करें लेकिन यहां तो उल्टी गंगा ही बहती दिख रही है। भाजपा, कांग्रेस, इनेलो और जेजेपी के जो नेता जनता के बीच एक दूसरे को सबसे बड़ा किसान हितैषी दिखाते हुए नजर आते हैं वे सत्य और असत्य कल सदन में किसानों की आवाज उठाने की बजाय आपस में चोंच से चोंच लड़ाते और मोनी बाबा बने नजर आए। किसानों के लिए मैं अकेला ही चिल्लाता रहा और कोई दूसरा साथ खड़ा नहीं हुआ। देखकर बड़ा दु:ख हुआ कि किसानों के दु:ख दर्द की परवाह ना सत्ता पक्ष को है और ना विपक्ष को। ये सब लोग एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं जिन्हें किसानों और आम आदमी की भलाई से कोई लेना-देना नहीं है। अगर, इनको जनता जनार्दन की तकलीफों से कोई सरोकार होता तो कल सदन में एक-दूसरे को सहयोग करने की बजाय उनके हकों की आवाज उठाते हुए दिखाई देते लेकिन ऐसा नहीं था।

बलराज कुंडू ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश है और 70 से 80 प्रतिशत लोग सीधे तौर पर कृषि पर निर्भर हैं लेकिन केंद्र जो 3 अध्यादेश लाया है उनमें कई ऐसी खामियां हैं जिन्हें सुधारा नहीं गया तो किसान बर्बाद हो जाएगा और आने वाले वक्त में किसान अपनी ही जमीन पर मजदूर बनकर रह जायेगा। उन खतरनाक अध्यादेशों के बारे में उन्होंने कॉल-इन-मोशन नोटिस दिया था लेकिन सदन में उसे यह कहकर रखने से ही इनकार कर दिया गया कि ये केंद्र का मामला है जबकि एग्रीकल्चर केंद्र का नहीं बल्कि स्टेट का सब्जेक्ट है। कुंडू ने मांग उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार को तुरन्त एक चौथे अध्यादेश की सिफारिश केंद्र को भेजनी चाहिए जिसमें इन तीनों अध्यादेशों की खामियों को ठीक करते हुए किसानों को उनकी फसलों का एमएसपी देना सुनिश्चित हो और यह तय किया जाए कि अगर कोई कम्पनी एमएसपी से नीचे फसलों की खरीद करेगी तो उसके खिलाफ कानूनन केस दर्ज कर सजा का प्रावधान हो। इस चौथे अध्यादेश में यह भी तय किया जाए कि किसानों की फसलों के दाम का 15 दिन में दिए जाएं और इसकी गारंटी सरकार ले तथा किसी भी प्रकार का विवाद उतपन्न होता है तो किसान की तरफ से राज्य सरकार केस लड़े।

कर्ज से परेशान ज्वेलर भाइयों ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता (दिल्ली) चांदनी चौक इलाके में बुधवार दोपहर कर्ज से परेशान दो ज्वेलर भाइयों ने एक साथ फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों के शव जेवरात बनाने वाले उनके कारखाने की तीसरी मंजिल पर गर्डर से लटके मिले। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें दोनों ने आर्थिक स्थिति खराब होने का जिक्र किया है।

परिजनों ने एक फाइनेंसर के दबाव में खुदकुशी का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

जिला पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि अंकित गुप्ता (47) और अर्पित गुप्ता (42) परिवार के साथ सीताराम बाजार, हौजकाजी इलाके में रहते थे। परिवार में बुजुर्ग पिता आदेश्वर गुप्ता (75), अंकित की पत्नी और दो बच्चे हैं। अंकित और अर्पित का सबसे छोटा भाई कालकाजी इलाके में परिवार के साथ रहता है।

दोनों भाइयों का चांदनी चौक के मालीवाड़ा में कृष्णा जेवैलर्स के नाम से कारखाना है, जहां जेवरात बनाने का काम था। पहली मंजिल पर पिता आदेश्वर ने प्रॉपर्टी डीलिंग का दफ्तर भी बनाया हुआ है। पिता ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों दोनों बेटों को कारोबार में घाटा हुआ तो उन्होंने इलाके के ही एक फाइनेंसर से मोटे ब्याज पर 60-70 लाख रुपये का कर्ज लिया था। लॉकडाउन हुआ तो कारोबार और मंदा हो गया। उधर, फाइनेंसर ने दोनों से रुपये मांगने शुरू कर दिए। उसके बाउंसर भी लगातार धमकी दे रहे थे। इससे हताश होकर उन्होंने खुदकुशी कर ली।

रुपये वापस करने के लिए मांग रहे थे समय परिजनों के मुताबिक अंकित और अर्पित रुपये वापस करने के लिए फाइनेंसर से समय मांग कर रहे थे, लेकिन उसके बाउंसर धमकाकर जाते थे। इससे दोनों बुरी तरह परेशान हो चुके थे। बुधवार दोपहर दोनों कारखाने की तीसरी मंजिल पर मौजूद थे।

करीब तीन बजे एक कर्मचारी ऊपर गया तो देखा कि अंकित और अर्पित के शव फंदे से लटके हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कारोबारियों की भारी भीड़ दुकान के आगे जुट गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाय। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नई-नई घोषणाएं कर जनता को सिर्फ गुमराह कर रही केजरीवाल सरकार : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार के कामकाज और इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी को लागू करने में की जा रही देरी पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा है। गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल रोजाना नई-नई घोषणाएं करके सिर्फ दिल्ली की जनता को गुमराह करने की कोशिश करते रहते हैं। यह सरकार सिर्फ घोषणा करना जानती है, काम करना नहीं। गुप्ता ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि 7 अगस्त को मुख्यमंत्री केजरीवाल और 21 अगस्त को परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने घोषणा की थी कि इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी के तहत 2 व्हीलर पर अधिकतम 30 हजार रुपये, कार पर 1.5 लाख, ऑटो-रिक्शा, ई-रिक्शा और मालगाड़ी पर 30 हजार रुपये सब्सिडी के तौर पर एक सप्ताह के अंदर अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए जाएंगे। इसी तरह की घोषणा दिल्ली सरकार ने दिसम्बर 2019 में भी की थी, लेकिन आज तक इस योजना को लेकर कोई धरातल पर कार्य नहीं हुआ। इसकी वजह से लोगों को सब्सिडी नहीं मिल पा रही है।

चालक दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन केजरीवाल सरकार दोबारा इलेक्ट्रिकल व्हीकल पॉलिसी को नोटिफाइ करके एक और सफेद झूठ बोल रही है। उन्होंने मांग की कि कोरोना काल में हर कोई आर्थिक तंगी से जूझ रहा है।

दिल्ली हेल्थ केयर सोसायटी द्वारा नेत्र दान जागरूकता अभियान

नई दिल्ली (डॉ शम्भू पंवार)समाज मे नेत्रदान के लिए जागरूकता लाने हेतु दिल्ली हैल्थ केयर को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ किया गया।नेत्र दान के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु एक वेबीनार का आयोजन पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन में किया गया।

सोसायटी के अध्यक्ष गजेन्द्र पाल सिंह सारन ने नेत्र दान को महादान बताया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरु नानक नेत्र केन्द्र नई दिल्ली की डाक्टर पारुल ने कहा कि- एक व्यक्ति के नेत्रदान से नई तकनीक के जरिए चार लोगों की अंधेरी दुनिया को रोशन किया जा सकता है ।उसके बावजूद जागरूकता की कमी के कारण हमारे देश में लाखों लोग नेत्र पाने की प्रतीक्षा में हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि हर उम्र का व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है सिर्फ कैंसर कोरोनावायरस ,हैपीटाइटस, या ये ही न पता चले कि किस व्यक्ति की मृत्यु किस बीमारी के कारण हुई है, एड्स या खून में इन्फेक्शन होने वाले व्यक्ति या किसी जानवर के काटने से मृत्यु होने होने वाले व्यक्ति की आंखों को नेत्रदान के लिए स्वीकार नहीं किया जाता ।उन्होंने यह भी बताया कि हमें अपने आप तो नेत्रदान करना ही चाहिए साथ ही अपने परिचितों को भी

प्रेरित करे। 1919 नंबर पर कॉल कर के हमे अपने नेत्रदान की सहमति दे सकते है ।वरिष्ठ लेखिका कवयित्री डॉ.सरिता गुप्ता ने कहा हमारा पड़ोसी देश श्री लंका में सबसे अधिक नेत्रदान किया जाता है। प्रत्येक वर्ष कई अन्य देशों के जरूरत मन्द लोगों को श्रीलंका नेत्रदान करता है। उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और रुढ़िवादियों को नेत्र दान की कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया ।उन्होंने कहा जागरूकता की कमी है जिसके कारण लोग नेत्रदान करने से सकुचाते हैं । नेत्र दान को उन्होंने महादान बताते हुए कहा कि अगर नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता लानी है तो हमें स्कूल के बच्चों को इस तरह के कार्यक्रमों से जोड़ना चाहिए।

नीट और जेईई की परीक्षाएं स्थगित करने की मांग, एनएसयूआई ने की भूख हड़ताल

नई दिल्ली। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने नीट और जेईई की आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाओं को स्थगित करने की मांग को लेकर गुरुवार को राजेंद्र प्रसाद रोड पर भूख हड़ताल की। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के तत्वावधान में बुलाई गई इस भूख हड़ताल में दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार भी शामिल हुए। भूख हड़ताल में शामिल छात्र नेताओं को संबोधित करते हुए अनिल कुमार ने कहा कि जब देश भर में कोरोना के मामले दुनिया के अनुपात में कही अधिक बढ़ रहे हैं तो केन्द्र सरकार छात्रों के स्वास्थ्य को लेकर खिलवाड़ कर रही है। केंद्र सरकार मौजूदा हालात में छात्रों के जीवन को खतरे में डालकर नीट और जेईई की प्रवेश परीक्षा आयोजित कराना चाहती है जोकि यह सरकार अनुचित कदम है। अगर केंद्र सरकार इस प्रवेश परीक्षा को कोरोनाकाल तक स्थगित नहीं करती है तो शुक्रवार को दिल्ली कांग्रेस के कार्यकर्ता शास्त्री भवन पर शिक्षा मंत्रालय के बाहर जोरदार धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण आए आर्थिक संकट से सबसे ज्यादा गरीब, श्रमिक एवं मध्यम वर्ग के लोग प्रभावित हुए हैं।

जान के बदले एग्जाम नहीं चलेगा नहीं चलेगा : मनोज पंडित

संवाददाता (ग़ाज़ियाबाद) मनोज पंडित युवजन सभा पूर्व महानगर अध्यक्ष ने लखनऊ में जो घटना समाजवादी पार्टियों के साथ घटी उसकी घोर निंदा की उन्होंने कहा की आखिर उत्तर प्रदेश सरकार क्या चाहती है जब समाजवादी पार्टी विपक्ष में है अगर विपक्ष अपना काम नहीं करेगा तो क्या करें क्या लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना गलत है जब कुछ छात्र यह चाहते हैं कि नीत और जीत की परीक्षा रद्द होनी चाहिए जिसका मुख्य कारण उन्होंने बताया जिन विद्यार्थियों की आंखों पर चश्मे लगे होते हैं और मुंह पर मास्क लगाने से परीक्षा देने पर चश्मे के लेंस पर नमी आ जाती है

और पढ़ने में परेशानी आती है जिसकी वजह से यह परीक्षा नहीं होनी चाहिए हमारे समाजवादी पार्टी साथी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे उसके बाद भी सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने साथियों पर लाठी बांधने का काम किया आज जब पूरा देश वैश्विक महामारी से परेशान हैं सरकार को जिस तरफ ध्यान देना चाहिए उस तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है युवा रोजगार के लिए परेशान हैं महंगाई अपने चरम सीमा पर है पेट्रोल डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं आजादी के बाद कभी ऐसा नहीं हुआ कि डीजल और पेट्रोल के दाम बराबर हो गए हो ऐसा लगता है कि अपनी नाकामी को छुपाने के लिए सरकारी सब कर रही है उत्तर प्रदेश में अभिभावक अपनी मांगों को लेकर रोज प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन अभिभावकों को कोई राहत नहीं दी जा रही है आखिर सरकार की मंशा क्या है।

दिल्ली-एनसीआर में उबर और ओला चालकों की एक सितम्बर से हड़ताल पर जाने की धमकी

नई दिल्ली। मोबाइल ऐप आधारित कैब सेवा प्रदाता कंपनियों; उबर और ओला के साथ काम करने वाले चालकों ने दिल्ली-एनसीआर में आगामी एक सितम्बर से हड़ताल पर जाने की धमकी दी है। चालक अपनी गाड़ियों की ईएमआई पर छूट की अवधि 31 दिसम्बर तक बढ़ाने और प्रति किलोमीटर किराया में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। फिलहाल, दोनों कंपनियों ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दिल्ली सर्वोदय चालक संघ के अध्यक्ष कमलजीत सिंह गिल ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि हमने प्रधानमंत्री, केंद्रीय वित्तमंत्री और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री को मदद के लिए कई पत्र लिखे, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि अगर सरकार हमारी समस्याओं का समाधान नहीं करती है तो इन कंपनियों के साथ काम कर रहे लगभग दो लाख कैब चालकों के सामने एक सितम्बर से हड़ताल पर जाने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि हमारी प्रमुख चिंता अधिकतर कैब चालकों के वाहन पर ऋण की है। केंद्र सरकार द्वारा ऋण के पुनः भुगतान के लिए दी जाने वाली किस्त पर 31 अगस्त तक छूट है और यह अवधि समाप्त होने के बाद बैंक किस्त देने से चूकने पर वाहनों को जब्त करना शुरू कर देंगी। जब तक सरकार मदद नहीं करती, वाहन के खोने के डर के साथ काम करने के अलावा हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। ऋण की किस्त के अलावा चालकों के ऊपर निर्धारित से अधिक गति पर वाहन चलाने की वजह से जुर्माना की बड़ी राशि देने का भी बोझ है। कमलजीत सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण चालकों की आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है।

मयूर संवाद
नई दिल्ली, शुक्रवार, 28 अगस्त 2020

संक्षिप्त समाचार

इसुआपुर के छपियाँ स्थित मुख्य सडकों पर रह रहे बाढ पिडितों व अगौथर बलुआ पर संगम बाबा ने राहत सामग्री पहूँचाई

इसुआपुर (सारण)=- बाढ़ से किसानों की बहूत क्षति हूई है । बाढ के कहर से सबसे ज्यादा किसान और मजदूर वर्ग के लोग तबाह हैं । बाढ के पानी के कम होने के बाद भी अपने-अपने घरों में सारी चीजों को फिर से व्यवस्थित ढंग से कर रहने में महिनों लग जायेंगे । उक्त बातें मुखिया संगम बाबा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री वितरण करने व

जनसम्पर्क के दौरान कही। वहीं मुखिया संगम बाबा ने इसुआपुर प्रखंड के छपियाँ स्थित मशरख से तरैंयाँ जाने वाली मुख्य सडक के किनारे रह रहे बाढ पिडितों व अगौथर बलुआ पर गाँवों में राहत सामग्री पहूँचाई। मौके पर विवेक राय, राजदेव राय, शहबाज आलम, धर्मेन्द्र प्रसाद, सत्येंद्र राम, पिन्टू यादव, प्रवेज अख्तर, शमीम अंसरी, अख्तर हुसैन, विक्की सिंह, छोटू सिंह, टुटु सिंह मौजूद थे।

बसेड़ी न्यू नगरपालिका का चार्ज लेते ही कार्यवाही की गई : विजय प्रताप सिंह राठौर

धौलपुर (युसूफ खान) बसेड़ी अधिशाषी अधिकारी विजय प्रताप सिंह राठौर ने बताया कि श्री मान उप जिला कलेक्टर अनुज भारद्वाज के निर्देशानुसार सफाई प्रभारी सीताराम शर्मा के नेतृत्व मे टीम गठित कर बिना मास्क पहने हुए घूम रहे दुकानदारों सहित 8 लोगों के चालान काटे वहीं बसेड़ी मैन बाजार से 15 किलो पॉलिथीन जप्त की गई।सफाई प्रभारी सीताराम

शर्मा ने दुकानदारों से समझाइश की पलास्टिक, पॉलिथीन के उपयोग तथा उपभोग पर राज्य सरकार द्वारा पूर्ण प्रतिबन्ध लगा दिया है।पॉलिथीन का उपयोग न करे।यदि भविष्य मे पॉलिथीन का उपयोग, उपभोग करते हुए पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। टीम मे सफाई प्रभारी सीताराम शर्मा, यादवेंद्र सिंह, मांगीलाल गर्ग, तपेश बिधूड़ी, गोविंद यादव, रामकुमार कोली ने कार्रवाई की।

राजस्थान शिक्षक संघ युवा ने की नोशनल लाभ प्राप्त अध्यापकों के एरियर भुगतान की मांग

धौलपुर (युसूफ खान) राजस्थान शिक्षक संघ युवा धौलपुर के जिला अध्यक्ष मनीष पहाड़िया और ब्लॉक अध्यक्ष वीपी पोसवाल के नेतृत्व में नोशनल लाभ प्राप्त अध्यापकों की नोशनल आदेश में अंकित तिथि को प्रथम कार्यग्रहण तिथि के रूप में शाला दर्पण पोर्टल पर अंकित करवाने हेतु

तथा परवीक्षा काल पूर्ण होने पर मिलने वाले एरियर राशि के भुगतान हेतु जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक धौलपुर सियाराम मीणा के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन की जानकारी देते हुए धौलपुर ब्लॉक अध्यक्ष वीपी पोसवाल ने बताया कि वर्ष 2012 व 2013 शिक्षक भर्ती रिवाइज परिणाम में चयनित शिक्षक गण जिनको नोशनल लाभ देय है । जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से आदेश होने के बाद भी उनकी नियुक्ति तिथि पीईईओ द्वारा शाला दर्पण पोर्टल पर नोशनल आदेश में अंकित तिथि के अनुसार परिवर्तित नहीं की गई है। जिस कारण इन शिक्षकों को एरियर भुगतान सहित विभिन्न लाभ अभी तक नहीं मिल पा रहे हैं। इस दौरान संघ के संभाग प्रमुख राजेश ठाकुर, ब्लॉक अध्यक्ष धौलपुर वीपी पोसवाल, ब्लॉक महामंत्री बिक्रम जीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, जिला मंत्री अनुराग मित्तल, भरत कुशवाह , साहब सिंह, यादराम सैनी, सत्येंद्र कुमार, अनिल परमार, बालकृष्ण, विजय सिंह, हलुका,राजकुमार, राजवीर, आदि मौजूद रहे।

स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ के जिला अध्यक्ष बनेः वीरेंद्र त्यागी

धौलपुर (युसूफ खान) स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ राजस्थान के धौलपुर जिले के जिला अध्यक्ष बनने पर आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान के निदेशक वीरेंद्र कुमार त्यागी का उनके कार्यालय पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया ए बी कॉन्वेंट उच्च माध्यमिक विद्यालय के

निदेशक राधेश्याम परमार इकरा माध्यमिक विद्यालय के निदेशक माजिद शरीफी गोल्डन पब्लिक स्कूल के निदेशक मोमिन खान डॉक्टर अब्दुल रहमान लोकेश राजपूत मुकेश सिकरवार बसेड़ी से सुरेश कौशिक देवेश शर्मा ने फूल माला से जोरदार स्वागत किया इस अवसर पर स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ धौलपुर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार त्यागी ने कहा कि हम सभी को साथ लेकर कार्य करेंगे जिले की निजी शिक्षण संस्था की संपूर्ण समस्याओं का पूरा ध्यान रखेंगे निजी विद्यालयों के हित में सभी प्रकार के प्रयास करते रहेंगे अनलॉक 4 में निजी विद्यालयों को खोलने के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाकर पूरा प्रयास करेंगे।

उमरे प्रयागराज मंडल में टेलिकम्युनिकेशन का हुआ आधुनिकीकरण

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल अपने सिग्नल और दूरसंचार विभाग द्वारा सिग्नलिंग उपकरणों के आधुनिकीकरण के चल रहे कार्य के तहत रेल परिचालन में समय की पाबंदी और सुरक्षा दोनों को बेहतर करने के लिए सिग्नलिंग सिस्टम में लगातार सुधार किया जा रहा है। जनसम्पर्क अधिकारी केशव त्रिपाठी के अनुसार सिग्नल और दूरसंचार विभाग द्वारा त्वरित गति से वार्षिक लक्ष्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

हाउसिंग बोर्ड निवासियो ने विजय बंसल को बताई समस्या,कहा डेंगू समेत महामारी फैलने का खतरा

पंचकूला (सचिन बराड़) हाउसिंग बोर्ड कालका के निवासी पानी की निकासी न होने के कारण परेशानियों का सामना कर रहे है जिसके चलते हर समय डेंगू समेत महामारी फैलने का खतरा बना रहता है।हाउसिंग बोर्ड निवासी व व्यापार मंडल प्रधान अनिल अग्रवाल,वेद प्रकाश गर्ग समेत प्रभावित लोगों ने शिवालिक विकास मंच के अध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन विजय बंसल एडवोकेट को अपनी समस्या से अवगत करवाते हुए बताया कि शक्ति नगर कालका से सीवरेज व गंदे पानी की निकासी के लिए सरकार के पास कोई प्रॉपर प्रबंध नही है जिसके कारण सारा गन्दा पानी हाउसिंग बोर्ड की एचआईजी, एमआईजी,एलआईजी की मेन सड़क पर आता है।इसके साथ ही बताया कि गंदे पानी के सड़क पर बने रहने से कालोनीवासियों

को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मामले को लेकर 20 जुलाई 2020 को कालोनीवासियों द्वारा स्वस्थ्य मंत्री हरियाणा सरकार को भी ज्ञापन भेजा गया,एसडीएम कालका को भी मिलकर समस्या बताई गई जिसके बाद केवल नामात्र एक नाला बना दिया जिससे न तो समस्या का समाधान हुआ व न ही कोई ठोस प्रबंध हुआ। अब मामले का संज्ञान लेते हुए विजय बंसल एडवोकेट ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग,हरियाणा सरकार के मंत्री अनिल विज व विभाग के निदेशक को ज्ञापन के द्वारा सारी समस्या से अवगत करवाया है। विजय बंसल ने राज्य सरकार की नाकामी को उजागर करते हुए कहा कि जहाँ तो एक तरफ देश कोरोना से लड़ाई लड़ रहा है वही सूबे की सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने में फेल साबित हो चुकी है। हालांकि विजय बंसल के अनुसार पूरे कालका-पिंजोर व आसपास के गांवो के इलाके में लोग इस समस्या से परेशान है जिसके लिए उन्होंने बेहतरीन ड्रेनेज सिस्टम की सुविधाओं के साथ एक रोडमेप भी तैयार किया हुआ है जिसका खुलासा व पूरा करने का काम सत्ता में आने पर पूरा करेंगे।

गुग्गा नवमी मेले पर श्रद्धालुओं ने पुरानी गुग्गा माड़ी पर नवाया शीश

सचिन (कालका) टगरा कली राम स्थित पुरानी गुग्गा माड़ी में आयोजित दो दिवसीय गुग्गा नवमी के मेले का समापन हो गया । पहले दिन सोमनाथ भक्त सहित अन्य श्रद्धालुओं ने दंडवत कर माड़ी पर शीश नवाया व झंडे की रस्म अदा की । वहीं वीरवार को भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमारी बतौर मुख्यातिथी शिरकत करने पहुचीं व उनके साथ सूरजपुर गद्दी के भगत रामपाल सोडी भी मौजूद रहे । पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। पवन कुमारी ने कामना की जल्द कोरोना महामारी के संकट का खत्मा

कर लोगो को इससे निजात मिल सके ऐसी कामना की जहां वीर गोगाजी के दरबार पर। इस शुभ अवसर पर सोमनाथ भगत ने बताया कि क्रोना महामाई के चलते दरबार पर सभी भक्तों को सोशल डिस्टेंस व सैनिटाइजर से हाथों धोकर दरबार में जाने की इजाजत दी गई वह दरबार को सुंदर लाइटों व फूलों से सजाया गया जो कि एक आकर्षण का केंद्र बना रहा भक्तों के बीच! दरबार पर मुख्य अतिथि के तौर पर पवन कुमारी ने शिरकत की इस दौरान आयोजकों ने उन्हें सिरोपा व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया इस मौके पर भाग सिंह, हुकूम, बिंदा, अजय, रमेश, नसीब, दर्शन, विरेन्द्र लाभ सिंह, संजू, विक्की सहित प्राचीन गोगा माडी सेवा समिति से संयोजक कांती राम, जयपाल, जिप्पी, राजेश, प्रकाश चंद आदि मौजूद रहे।

मूसलाधार बारिश से गिरा घर, सात सदस्यीय परिवार हुआ बेघर

विवेक चौबे (गढ़वा) जिले के कांडी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लमारी कला पंचायत के हरिगावां गांव निवासी- जयकुमार तांतो का घर बुधवार को हो रही मूसलाधार बारिश से गिर गया। जयकुमार ने बताया कि इस घर में निवास करने वाले बड़े परिवार में कुल सात सदस्य हैं। छोटे घर में सभी लोगों को पहले से भी रहने में दिक्कत होती थी। अब तो बारिश ने घर भी ध्वस्त कर दिया। सुबह 9:00 बजे जयकुमार, श्याम शीला देवी व रूपेश कुमार घर में ही थे। किसी प्रकार जान बचाकर तीनों लोग भागे। इस प्रकार बड़ा हादसा टला व

लोग बाल-बाल बचे। जयकुमार ने कहा कि सरकार हम जैसे गरीब के गरीबी, मजदूरों व किसानों की ओर भी ध्यान दे। मिट्टी के पुराने घर में ही रहकर हम सभी जीवन यापन करते थे। घर गिरने से अब बेघर भी हो गए। सभी सदस्यों का रहना मुश्किल हो गया है। मजदूरी कर किसी प्रकार जीवन व्यतीत करने वाले हम मजदूर वर्तमान समय में आसमान को छूती महंगाई में घर बनाने से पूर्ण रूप से असमर्थ हैं। मजदूरी की कमाई से परिवार के लिए दो वक्त की रोटी ही जुटा पा रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई सहित अन्य खर्चे की पूर्ति करना भी इस लॉक डाउन में मुश्किल हो गया है। यह सात सदस्यीय परिवार ने सरकार व प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से सरकारी आवास की मांग की है। मौके पर- मनमतिया देवी, राजू राम, नीरज कुमार, धीरज कुमार सहित घर के पूरे परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

हजारों एकड़ में धान की फसल हुई नष्ट, किसान मुआवजा की कर रहे मांग

विवेक चौबे (गढ़वा) जिले के कांडी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कई गांवों में बुधवार को हुई भारी बारिश से किसानों की कमर टूट गयी। भाजपा नेता- रामलला दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि पंडी नदी में आई बाढ़ से तीसरी बार- बेल्हथ, गाड़ा काला, नारायणपुर, चोका, बलियारी सहित दर्जनों गांवों के किसानों के खेतों में पानी डूबने से धान की क्षति हो गयी। उन्होंने कहा कि हजारों एकड़ में लगे धान की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गयी। लगातार तीन बार पंडी नदी में बाढ़ आई। पहली बार की आयी बाढ़ ने धान का बीड़ा नष्ट किया। वहीं दूसरी बार की बाढ़ ने धान की रोपाई को सड़ाकर बर्बाद कर दिया। जबकि तीसरी बार आयी बाढ़ ने कुछ भी नहीं छोड़ा। श्री दुबे ने कहा कि अब किसानों के पास कोई विकल्प शेष नहीं रहा। कई बार किसानों ने फसल

की क्षति पूर्ति के लिए गुहार लगाई, किन्तु अभी तक प्रशासन द्वारा न ही जांच कराई गयी, न ही किसी किसानों को मुआवजा मिली, न ही पानी निकास का कोई स्थाई समाधान किया गया। यहां के किसानों ने उच्च अधिकारियों से मांग किया है कि जांच कर सभी किसानों को मुआवजा दिलाई जाए। वहीं किसानों ने बताया कि सभी गांवों से अधिक बेलहथ गांव को नुकसान हुआ है। किसानों ने धान की हुई बर्बाद फसल के सम्बंध में पतीला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि- गुड्डू सिंह को भी जानकारी दी। गुड्डू सिंह ने किसानों को कहा था कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान बर्बाद फसलों की मुआयना करूँगा। इस संबंध में गुड्डू सिंह से फोन पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लगातार दो वर्षों से प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे हैं यहां के किसान। वहीं मिली जानकारी के अनुसार यहां के किसानों को कृषि बीमा के तहत भी कोई लाभ नहीं मिलता। मुआवजा की मांग करने वालों में- राणा ऋषिकेश सिंह, मोहन सिंह, कमल सिंह, बसंत यादव, रेखा यादव, योगेन्द्र दुबे, रामाशीष दुबे, गुप्तेश्वर दुबे, प्रवीण दुबे, अम्बिका दुबे, उदय दुबे, आलोक दुबे, प्रदीप दुबे, भोला मेहता, सत्यनारायण दुबे, लखन चंद्रवंशी, दिनेश मेहता सहित अन्य कई किसानों का नाम शामिल है।

चंदा ग्रीन वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा राधा अष्टमी पर आयोजित किया गया रंगारंग कार्यक्रम

मथुरा (विनोद दीक्षित) चंदा ग्रीन वेलफेयर सोसाइटी ट्रांसपोर्ट नगर मथुरा में राधा अष्टमी देर रात्रि धूमधाम से मनाई गई द्य राधा अष्टमी पर चंद्र ग्रीन वेलफेयर सोसाइटी में हुआ रंगारंग कार्यक्रम हुआ कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों के द्वारा राधा कृष्ण ड्रेस कंपटीशन के साथ अपने नृत्य की प्रस्तुति दी गई द्य राधा अष्टमी के पर्व को लेकर पिछले 1 सप्ताह से तैयारी बच्चों के द्वारा कर रखी थी द्य राधा अष्टमी के कार्यक्रम को लेकर बच्चों में उत्साह देखने

लायक था द्य बच्चों ने फिल्मी भजनों पर अपनी डांस प्रस्तुति दी इस अवसर पर ब्रज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति के प्रदेश अध्यक्ष विनोद दीक्षित, ज्ञानेंद्र मिश्रा, निविशका दीक्षित , श्रीमती अंजलि मिश्रा, श्रीमती पूर्णिमा चौधरी, अनिल सोनी ,श्रीमती खुशबू उपाध्याय सोनी, श्रीमती अंजलि गुप्ता, निधि गुप्ता, श्रीमती कृष्णा, श्रीमती प्रीति, श्रीमती शिल्पी बंसल ,श्रीमती लता, श्रीमती शगुन शर्मा श्रीमती संध्या श्रीमती रीना श्रीमती मोनिका गोयल श्रीमती स्वाति सक्सेना श्रीमती सुनीता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वतन्त्रता दिवस को खास बनाने के लिये कृष्णाश्रय गुरुकुल सेड़ी द्वारा आत्मनिर्भर भारत पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

अमित गोस्वामी (मथुरा) मथुरा जिला के गोवर्धन के गाँव जतीपुरा में कृष्णाश्रय गुरुकुल सेड़ी में हुई आत्मनिर्भर भारत पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने लिया भाग जिसमे संजय कोठारी जी द्वारा विजेता को पुरुस्कार भेंट किया। साथ में गुरुकुल की संचालिका पूनम कौशिक, अनुज शुक्ला, बलदेव सिंह, सोनम कौशिक, भूमिका परासर, कविता वर्मा, चंद्रवती आदि।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संकट के इस दौर में भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया था. इस पैकेज को आत्मनिर्भर भारत अभियान का नाम दिया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि इस बड़े राहत पैकेज से भारत में लोगों को कामकाज करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और यह कोशिश की जाएगी कि अगले कुछ सालों में भारत अपनी जरूरत की अधिकतर चीजों के लिए खुद पर निर्भर हो जाए. इस हिसाब से अभियान का नाम आत्मनिर्भर भारत अभियान रखा गया है.

किसान होंगे आत्मनिर्भर किसान होंगे आत्मनिर्भर

कोरोनावायरस के बढ़ते संकट के इस दौर में सबसे बड़ी मार किसानों पर पड़ी है. इस हिसाब से आत्मनिर्भर भारत अभियान में तीन करोड़ किसानों को 4.22 लाख करोड़ रुपये का कृषि लोन दिया गया है. इसमें 3 महीने तक उन्हें लोन वापस करने की जरूरत नहीं है. इसके साथ ही इंटरेस्ट सब्वेंशन और तुरंत लोन चुकाने के इंसेंटिव के रूप में मिलने वाली सुविधा 31 मई 2020 तक बढ़ा दी गई है.

आत्मनिर्भर भारत अभियान में मोदी सरकार ने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हाथ में अधिक पैसे पहुंचाने की कोशिश की है. सरकार ने बताया है कि मार्च और अप्रैल के बीच ?86,600 करोड़ रुपये के 63 लाख लोन कृषि क्षेत्र में दिए गए हैं.इसके साथ ही सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की रिफाइनेंसिंग के लिए नाबार्ड ने ?29,500 करोड़ दिए हैं. इसके साथ ही राज्यों को रूरल इन्फ्राट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के लिए ?4200 करोड़ की मदद दी गई है.

भारत सरकार ने बताया है कि पिछले 2 महीने के दौरान प्रवासी मजदूर और शहरी गरीब लोगों के लिए कई उपाय किए गए हैं जिससे उन्हें कोरोना के बाद के दौर में जीने में आसानी हो. इसमें प्रवासी मजदूर के रहने के लिए स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड के रकम के उपयोग की इजाजत दी गई है जिससे कि उनके लिए खाने और पानी की व्यवस्था की जा सके. केंद्र सरकार ने राज्यों को ?11000 करोड़ दिए हैं जिससे कि वह स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड की मदद से इनके लिए काम कर सकें. अर्बन होमलेस सेंटर्स में रहने वाले लोगों के लिए दिन में तीन बार खाने की व्यवस्था की गई है. 12,000 सेल्फ हेल्प ग्रुप ने तीन करोड़ मास्क और सवा लाख लीटर सेनेटाइजर बनाए हैं. इसके माध्यम से भी शहरी गरीबों को काम उपलब्ध कराने की कोशिश की गई है.

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए किए गए लॉक डाउन के इस दौर में बहुत से प्रवासी मजदूर अपने घर वापस जा रहे हैं. उन्हें उनके घर पर ही काम मिल सके इसके लिए सरकार ने मनरेगा के माध्यम से बड़ी पहल की है. मोदी सरकार ने बताया है कि 13 मई तक मनरेगा में 14.62 करोड़ मानव दिवस काम बनाया गया है. इस तारीख तक वास्तव में मनरेगा पर खर्च ?10,000 करोड़ हो चुका है. अब तक देश के 1.87 लाख ग्राम पंचायत में 2.33 करोड़ लोगों ने काम के लिए आवेदन किया था जिन्हें काम मिल गया है. पिछले साल की तुलना में इस साल मई में 50 फ़ीसदी तक ज्यादा लोगों ने मनरेगा में काम के लिए आवेदन किया है. केंद्र सरकार ने नया लेबर कोड लाकर श्रमिकों के हित में एक बड़ा काम किया है. सरकार ने कहा है कि नए लेबर कोड की वजह से पूरे देश में एक जैसी न्यूनतम मजदूरी की व्यवस्था करने में मदद मिल सकती है।

नोडल अधिकारी ने किया सी.एच.सी. मुस्तफाबाद व कैसरगंज का निरीक्षण

अमित पाठक (बहराइच)। कोविड-19 एवं बाढ़ राहत कार्य के अनुश्रवण हेतु शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी विशेष सचिव, पंचायती राज, उ.प्र. शासन राकेश कुमार ने नान कोविड सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुस्तफाबाद तथा नान कोविड 50 शैय्या मैटर्निटी विंग कैसरगंज का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कैसरगंज क्षेत्र के भ्रमण के दौरान नोडल अधिकारी तहसील कैसरगंज अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित बचाव एवं राहत कार्यों की भी समीक्षा की। बाढ़ राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा के दौरान उपजिलाधिकारी, कैसरगंज महेश कुमार कैथल ने बताया कि तहसील अन्तर्गत वर्तमान में 33 राजस्व गाँव 25423 प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री किट तथा 1690 लोगों को तारपोलीन शीट उपलब्ध करायी जा चुकी है। तहसील अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित 33 ग्रामों में 44 नाव उपलब्ध है। कटान एवं बाढ़ आपदा से हुई क्षति से प्रभावितों को शासन द्वारा अनुमन्य आपदा राहत के तौर पर धनराशि रू. 27 लाख 18 हज़ार 100 खातों में भेजी जा चुकी है। वर्तमान में कोई देयता शेष नहीं है। नोडल अधिकारी श्री कुमार ने उप जिलाधिकारी कैसरगंज को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी प्रभावित ज़रूरतमन्द लोगों को राहत सामग्री किट उपलब्ध करायें। वितरण स्थल पर साफ-

सफाई के साथ सैनिटाईज़ेशन का भी विशेष ध्यान रखा जाय। श्री कुमार ने कहा कि राहत सामग्री के वितरण करते समय लगाये गये अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ बाढ़ प्रभावित लोगों द्वारा भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाय और सभी सम्बन्धित लोग अनिवार्य रूप से मास्क भी पहने। नोडल अधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि बाढ़ राहत व बचाव कार्य में लगे हुए अधिकारी निरन्तर भ्रमणशील रहकर स्थिति पर सतर्क दृष्टि बनाये रखें तथा लोगों की हर संभव मदद की जाय। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुस्तफाबाद के निरीक्षण के दौरान केन्द्र अधीक्षक डॉ. निखिल सिंह ने बताया कि केन्द्र अन्तर्गत अब तक 75 कोरोना वायरस से संक्रमित मामले पाये गये है, जिसमें से 4 मरीज सक्रिय हैं एवं 71 की रिपोर्ट निगेटिव पाये जाने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। उपरोक्त 4 मरीजों में से 02 मरीजों को एल-1 हास्पिटल तथा 2 मरीजों को होम आइसोलेट किया गया है। अब तक कुल 3060 व्यक्तियों की सैम्पलिंग की गयी है। निरीक्षण के दौरान केन्द्र में साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई तथा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु स्थापित कोविड हेल्प डेस्क के माध्यम से समस्त आगन्तुकों का परीक्षण किया जा रहा है।

इसी प्रकार नान-कोविड 50 शैय्या मैटर्निटी विंग कैसरगंज के निरीक्षण के दौरान अधीक्षक डॉ. एन.के. सिंह द्वारा बताया गया कि, केन्द्र अन्तर्गत कुल 66 व्यक्ति संक्रमित पाये गये थे जिसमें से 27 की रिपोर्ट निगेटिव पाये जाने पर उन्हें डिस्चार्ज किया जा चुका है। वर्तमान समय में 39 मरीज सक्रिय है, जिसमें में से 20 मरीजों को एल-1 हास्पिटल तथा एल-2 में 02 व 14 मरीजों होम आइसोलेशन में है। जबकि 03 मरीज लखनऊ में भर्ती है। अब तक आर.टी.पी.सी.आर. द्वारा 1382 व एंटीजन द्वारा 1393 सैम्पल कलेक्ट किये गये हैं। वर्तमान में 14 कन्टेनमेन्ट ज़ोन है। निरीक्षण के दौरान मैटरनिटी विंग, कैसरगंज में साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई तथा केन्द्र में स्थापित कोविड हेल्प डेस्क के माध्यम से समस्त आगन्तुकों का परीक्षण किया जा रहा है। स्वास्थ्य केन्द्र में मेडिकल स्टाप तथा डाक्टर की पर्याप्त उपलब्धता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवायें सुचारू रूप से उपलब्ध करायी जा रही है। नोडल् अधिकारी ने निर्देश दिया कि अपने को सुरक्षित रखते हुए पी.पी.ई.किट पहनकर ही हास्पिटल में प्रवेश करें, प्रतिदिन परिसर की साफ-सफाई एवं सैनिटाइज करायें। निरीक्षण के समय नोडल अधिकारी के लाइज़न आफिसर पंकज शर्मा भी मौजूद रहे।

डीडीओ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक

अमित पाठक (बहराइच)। हाकी के जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यानचन्द के जन्म दिवस 29 अगस्त ''खेल दिवस'' के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूप-रेखा निर्धारित करने के उद्देश्य से जिला विकास अधिकारी राजेश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन करते हुए क्रीड़ाधिकारी ए.आर. अंसारी ने विभाग द्वारा प्रचलित योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए सभी खेल संघो के पदाधिकारियों, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से खेलों के आयोजन में सहयोग की अपेक्षा की गयी।

वरिष्ठ खिलाड़ी सरदार सरजीत सिंह ने स्वर्गीय मेजर ध्यानचन्द्र के जीवन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं का आहवान किया कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों में उच्च स्थान प्राप्त कर देश व प्रदेश का नाम रोशन करें।

ओलम्पिक संघ, बहराइच के मनीष मल्होत्रा द्वारा जनपद के विभिन्न खेलो के पूर्व चैम्पियन खिलाड़ियों, जिला स्तर पर स्थापित खेल प्रतिष्ठानों एवं उनमें संचालित हो रही खेल गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

खेल संघो के पदाधिकारियों द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि इन्दिरा गांधी स्टेडियम वर्तमान समय में छोटा पड़ रहा इसलिए उचित होगा कि गेंदघर के मैदान के रख-रखाव तथा संचालन की ज़िम्मेदारी इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम बहराइच को दे दी जाय जाय, ताकि खेल मैदानों की कमी को पूरा किया जा सके। बैठक के दौरान जिला हाकी संघ बहराइच की ओर से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष ''खेल दिवस'' के अवसर पर जनपद के भूतपूर्व हाकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया जायेगा, इसी क्रम में जिला विकास अधिकारी राजेश कुमार मिश्रा द्वारा जनपद के भूतपूर्व वरिष्ठ हाकी खिलाडी कलीमउल्ला को शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक के अन्त में क्रीड़ाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद डाला

संत कुमार गोस्वामी (गोपालगंज) जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के लालू टोला गांव के समीप शीतलपुर गोपालगंज स्टेट हाईवे पर लालू टोला के समीप गुरुवार की सुबह एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद डाला, जिससे घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गयी। इस घटना से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीण सड़क जाम करने का प्रयास करने लगे। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर सड़क जाम करने से रोका और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी हैं।दोनों युवकों की उम्र 25 से 30 वर्ष है, जिनकी पहचान अब तक नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस दोनों का पहचान कराने का प्रयास कर रही है। घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने में कामयाब रहा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों युवक बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान सीतलपुर से गोपालगंज की तरफ जा रहे ट्रक ने दोनों को कुचल डाला और दोनों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। दरियापुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि मृतकों बाइक के आधार पर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। उनके पाकेट से ऐसा कुछ भी बरामद नहीं हुआ है, जिससे उनकी तत्काल पहचान हो सके। फिलहाल सभी थाने की पुलिस को इसकी सूचना दी गई है और पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

महासंघ एकीकृत ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को भेजा ज्ञापन

धौलपुर (यूसुफ खान) अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ (एकीकृत)ने राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के वेतन से एक दिन का वेतन प्रतिमाह कटौती करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। महासंघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष चन्द्रभान चैधरी ने कर्मचारियों के वेतन से जबरन कटौती नहीं करने एवं मार्च माह का स्थगित वेतन जारी करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, मुख्य सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त विभाग) को ज्ञापन जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। महासंघ के महामन्त्री योगेश पाण्डे ने बताया कि एक ओर सरकार आर्थिक संकट का बहाना लेकर कर्मचारियों के मार्च माह का वेतन स्थगित किये हुये है एवं कर्मचारियों के वेतन से प्रतिमाह एक दिन का वेतन कटौती करने का षडयंत्र कर रही है तो दूसरी ओर माननीय विधायकों को सरकारी खर्च पर विदेश यात्राऐं कराने, इनोवा कार खरीदने एवं कोरोना के नाम पर चर्चा के बहाने 3 दिवस विधानसभा चलाकर 13 दिवस का खर्चा राज्य की जनता व कर्मचारियों पर थोपने पर आमदा है।

दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा किया गया ट्राई साइकिल का वितरण

अमित पाठक/मदनलाल पोरवाल (बाबागंज)। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग बहराइच द्वारा विधान सभा कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरण योजनान्तर्गत नवाबगंज ब्लॉक मुख्यालय बाबागंज के प्रांगण में ट्राई सायकिल वितरण शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक व विधायक प्रतिनिधि नानपारा दिलीप वर्मा रहे। इस शिविर में कार्यक्रम जिला विकलांग अधिकारी ए0के0 गौतम के नेतृत्व में दिव्यांगों को नि:शुल्क ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। कुल 40 दिव्यांगो को ट्राई सायकिल का वितरण किया गया। ट्राई साइकिल पाकर क्षेत्र से आए दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे। ट्राई सायकिल वितरण कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी नवाबगंज तेजवंत सिंह, एडीओ पंचायत हनुमंत सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष हरीश वर्मा, प्रधान बसंतपुर उदल फौजदार वर्मा, हाजी अनवर,आंनद पाठक सहित कई लोग मौजूद रहे।

बहराइच सांसद ने नदियों द्वारा हो रही बाढ़ की कटान के बारे में जिला अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड बहराइच को सौंपा ज्ञापन

अमित पाठक / मदनलाल पोरवाल (बहराइच)। सांसद अक्षयवरलाल गोंड ने अपने बहराइच स्थित आवास पर विधानसभा बलहा क्षेत्र में हो रहे नदी द्वारा खेत व गांव कटान को लेकर जिला अधिशासी अभियन्ता बाढ़ खण्ड बहराईच को समस्याओं से अवगत कराया व कटान से बचाव हेतु आवश्यक निर्देश दिया। विधानसभा क्षेत्र बलहा में हो रहे कटान सरयू नदी द्वारा भादापुरवा राय फार्म व स्स्कचौंकी लौकाही करमोहना,सर्राकला एंव गौरापिपरा कमलापुरी ओरी कोला जो समाप्त होने के कगार पर है व घाघरा नदी के द्वारा कटान के कारण चहलवा मे बंगालीपुरवा दुधनाथ पुरवा का अस्तित्व खत्म हो गया। कटान प्रभावित क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद व अधिशासी अभियन्ता बाढ़ खंड शोभित कुमार को नदी द्वारा हो रहे कटान से बचाव राहत सहायता हेतू ज्ञापन पत्र दिया। जिसमे जिला कार्यसमिति सदस्य श्रवण कुमार मदेशिया व शिवकुमार शुक्ला,भाजपा नेता रोहित गुप्ता,रामसरोज पाठक, राजकिशोर मिश्रा संतोष मौर्या विजय मौर्या,श्यामलाल चौधरी,करमोहना प्रधान सिराजुल अंसारी अवधविहारी मौर्या, जंग बहादुर व अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

3 दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

अमित पाठक (बहराइच)। कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच प्रथम के परिसर में गरीब कल्याण रोजगार अभियान के अन्तर्गत अजीविका संवर्धन हेतु 35 प्रवासी श्रमिकों को समन्वित मत्स्य पालन एवं प्रबंधन के प्रशिक्षण का समापन पर कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा. एम. पी. सिंह द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर उन्होनें कहा कि मछली पालन बहराइच जनपद के लिए बहुत सफल एवं आसान रोजगार है। मत्स्य पालन से अधिक उत्पादन एवं आय के लिए इसे पशुपालन के साथ जोड़ा जा सकता है। मछली पालन के साथ यदि सूकर, मुर्गी या बतख पालन को जोड दिया जाय तो इसके मल मूत्र से मछलियों के लिए समुचित प्राकृतिक भोजन प्राप्त होगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रभारी अधिकारी/मात्सियकी उद्यमिता प्रशिक्षण केन्द्र करनैलगंज गोण्डा डा. सी. पी. सिंह ने मत्स्य पालन के महत्व एवं मछलियों के लिए पौष्टिक आहार की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि मछली की अधिक पैदावार के लिए आवश्यक है कि पूरक आहार दिया जाय। आहार ऐंसा होना चाहिए कि प्राकृति आहार की भांति पोषक तत्वों से परिपूर्ण हो। प्रोटीन युक्त कम खर्चीले आहार जैसे सरसों, नारियल या तिल की महीन पिसी हुई खली चावल का कना या गेंहूँ का चोकर बराबर मात्रा में मिला कर मछलियों के कुल भार का 1 से 2 प्रतिशत तक प्रति दिन दिया जाना चाहिए। मत्स्य विभाग के गणेश प्रसाद ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष में एक तालाब से मात्र दो बार मछलियों की फसल ली जा सकती है। हायब्रिड मछली लगभग 5 माह में ही बिक्री के लिए तैयार हो जाती है। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. आर. के पाण्डेय ने मछलियों में होने वाली प्रमुख बीमारियों जैसे वायरल हैमेरेजिक सेप्टीसीमियां सोकीज सालमन वायरल इत्यादि बीमारियों एवं उनके उपचार के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। डा. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि जैविक खाद भी तालाब की उर्वरा शक्ति बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रशिक्षण समन्वयक रेनू आर्या ने बताया कि मछलियों में लगभग 70.80 प्रतिशत पानी 13.22 प्रतिशत प्रोटीन 1.35 प्रतिशत खनिज लवण 5.20 प्रतिशत तक वसा पायी जाती है। इसके अलावा मछलियों में कैलशियम, पोटैशियम, फास्फोरस, आयरन सल्फर, मैनीशियम, ताबा, जस्ता, मैगनीज, आयोडीन आदि खनिज पदार्थ भी बहुतायत मात्रा में पाया जाता हैं।

डीमैट अकाउंट खोलने का प्लान बना रहे हैं? आपको यह जरूर पता होना चाहिए

पिछले कुछ वर्षों में निवेश की प्रक्रिया में भारी बदलाव देखा गया है। नई तकनीक के साथ चीजें अधिक डाइनामिक हो गई हैं। आज, ई-कॉमर्स धीरे-धीरे पसंदीदा विकल्प बन रहा है और स्टॉक मार्केट के लिए भी ऐसा ही है। आप हर दिन जो काम करते हैं, उन्हें देखते हुए इक्विटी या डेट जैसे फाइनेंसेस को मैनेज करना परेशानियों से भरा हो सकता है। शुक्र है, डिपॉजिटरी एक्ट 1996 ने सभी के लिए अपनी फाइनेंशियल सिक्योरिटीज का मैनेजमेंट केवल कुछ क्लिक जितना आसान बना दिया है। शेयरों या अन्य सिक्योरिटीज की फिजिकल कॉपी प्राप्त करने के बजाय, एक डीमैट अकाउंट आपको ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने में मदद करता है जहां आप एक स्टैंडर्डाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक सिस्समट पर अपने फाइनेंशियल सिक्योरिटी रखते हैं।

डीमैट अकाउंट क्या है?

डीमैट अकाउंट एक बैंक खाते की तरह होता है। अंतर सिर्फ इतना है कि यह इलेक्ट्रॉनिक रूप में नकदी के बजाय स्टॉक से जुड़ा है। डीमैट खाता अपने ऑपरेटिव फंक्शन के लिए डीमैटरियलाइजेशन के कंसेप्ट का उपयोग करता है। डीमैटरियलाइजेशन वह प्रक्रिया है जिसमें फिजिकल शेयर सर्टिफिकेट इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। तद्नुसार, डीमैट खाता एक छत के नीचे निवेशक के सभी शेयरों को संग्रहीत करने के लिए तकनीक का उपयोग करता है- इनमें सरकारी सिक्योरिटी, म्यूचुअल फंड्स, शेयर, बॉन्ड आदि शामिल हैं।

डीमैट अकाउंट को ऑनलाइन कैसे खोल सकते हैं?

ऑनलाइन डीमैट खाता खोलने के लिए यहां स्टेप्स दिए गए हैं:

1. अपने पसंदीदा डिपॉजिटरी पार्टिसिपंट (ब्रोकर) की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।
2. सरल लीड फॉर्म भरें, जिसमें पूछे गए अनुसार अपना नाम, फोन नंबर और निवास स्थान की जानकारी दें। फिर आपको अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होगा।
3. अगले फॉर्म को पाने के लिए ओटीपी दर्ज करें। अपने केवाईसी डिटेल्स जैसे जन्म तिथि, पैन कार्ड डिटेल्स, कॉन्टेक्ट डिटेल्स, बैंक अकाउंट डिटेल्स आदि भरें।
4. अब आपका डीमैट अकाउंट खुल गया है! आपको अपने ईमेल और मोबाइल पर डीमैट अकाउंट नंबर जैसे डिटेल्स प्राप्त होंगे।

एक निवेशक के कई डीमैट खाते हो सकते हैं। यह एक ही डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स (डीपी), या अलग-अलग डीपी के साथ हो सकते हैं। जब तक निवेशक सभी ऐप्लिकेशंस के लिए आवश्यक केवाईसी डिटेल्स प्रदान कर सकता है, तब तक वह आवेदक कई डीमैट अकाउंट संचालित कर सकता है।

अब किसान योनो ऐप पर खरीद सकेंगे बीज

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के 'योनो कृषि ऐप' से देश के करोड़ों किसान अब बीज खरीद सहित सरकारी योजनाओं तथा बैंक की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बेंगलुरु के 'बीज पोर्टल' का भारतीय स्टेट बैंक के 'योनो कृषि ऐप' के साथ एकीकरण कर लोकार्पण किया। इस अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष रजनीश कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। दोनों ऐप के एकीकरण से देश के करोड़ों किसान, बीज खरीद सहित सरकारी योजनाओं तथा बैंक की विविध सुविधाओं का लाभ डिजीटली ले सकेंगे। श्री तोमर ने कहा कि कृषि का क्षेत्र चुनौतीपूर्ण रहा है, इसके बावजूद किसानों के अथक परिश्रम और वैज्ञानिकों के अनुसंधान तथा सरकारी की नीतियों के कारण यह क्षेत्र देश में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश की खाद्यान्न आवश्यकताओं को पूरी करने के साथ ही जीडीपी में योगदान देने की दृष्टि से भी कृषि क्षेत्र का महत्व है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए केन्द्र सरकार ने अनेक योजनाओं को संचालित किया है। बागवानी का कृषि क्षेत्र में 32 प्रतिशत योगदान हैं।

चोला और श्री सथ्या साईं संजीवनी अस्पताल नें की साझेदारी

= चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (चोल), मुरुगप्पा ग्रुप की वित्तीय सेवा शाखा, ने श्री सत्य साई संजीवनी अस्पतालों के साथ मिलकर देश में कहीं से भी ट्रक ड्राइवरों, क्लीनर और मैकेनिकों के बच्चों को हृदय संबंधी उपचार और देखभाल प्रदान की है। चोला ने इन बच्चों पर सर्जिकल हार्ट प्रक्रियाओं का समर्थन करने का वादा किया है, जिनकी आयु 18 वर्ष तक के नवजात शिशुओं के साथ है, जिनकी कुल आय 132 लाख रुपये है, जो हीलिंग लिटिल हार्ट्स प्रोग्राम 'की 2019 - 2021 के दौरान होगी।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अरुण अलगप्पन ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, ट्रकिंग आज सबसे महत्वपूर्ण लिंक में से एक है जो उत्पादकता और प्रतिस्पर्धी दक्षता की सुविधा देता है, जिससे देश का तेजी से आर्थिक विकास होता है। यह व्यापार और निवेश को खोलकर और उन्हें मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करके दूरस्थ क्षेत्रों के विकास को लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिर भी ट्रक ड्राइवरों, क्लीनर और यांत्रिकी का जीवन असुविधाओं, खराब सुविधाओं और नियमों और विनियमों की अनुपस्थिति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है। काम की तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण प्रकृति उनके शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। यह पहल हमारे जीवन में कुछ तनाव और खुशी लाने के लिए हमारे अंत से एक छोटा कदम है।

श्री सत्य संजीवनी अस्पताल तीन केंद्रों से ट्रकिंग स्टाफ के बच्चों के लिए कार्डियक केयर प्रदान करेगा ...

श्री सत्य साई संजीवनी सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर, रायपुर (छत्तीसगढ़)

श्री सत्य साई संजीवनी इंटरनेशनल सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर एंड रिसर्च, पलवल (हरियाणा)

श्री सत्य साई संजीवनी सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट केयर एंड ट्रेनिंग इन पीडियाट्रिक कार्डियक स्किल्स, नवी (मुंबई).

चोला के साथ साझेदारी पर बोलते हुए, डॉ। सुब्रमण्यम चेलप्पन- निदेशक श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल- पलवल, हरियाणा ने कहा, भारत में, हर साल लगभग 2.4 लाख बच्चे जन्मजात हृदय रोग (सीएचडी) के साथ पैदा होते हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है। बच्चे की मृत्यु दर। साई संजीवनी अस्पताल भारत के इस राष्ट्रीय बोझ को जन्मजात हृदय रोग को संबोधित करता है, सभी को पूरी तरह से मुफ्त में सभी सेवाएं प्रदान करता है। हम ट्रकिंग समुदाय के बच्चों के छोटे दिलों को बचाने में चोल के साथ भागीदारी करके खुश हैं। अधिकांश ट्रकिंग कर्मचारी वित्तीय रूप से नहीं-तो-अच्छी तरह से पृष्ठभूमि से आते हैं, और अधिक तब जब यह सामान्य बुखार और ठंड से परे बीमारियों के लिए स्वास्थ्य लागत की बात आती है। और जब जटिल हृदय प्रक्रियाओं और प्रत्यारोपण की बात आती है, तो यह स्पष्ट रूप से उनके साधनों से परे होता है। पिछले 6 महीनों में, हमने वीएसडी सर्जिकल क्लोजर, डीसीआरवी मरम्मत, सुप्राकार्डियक टीएपीवीसी मरम्मत, वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष, पीडीए बंधाव, टीएफ सुधार और एएसडी क्लोजर के लिए इंट्रा-कार्डिएक मरम्मत से लेकर 9 सफल प्रक्रियाओं को पूरा किया है। निजी अस्पतालों में INR 80,000 / - से INR 4,00,000 / - के बीच इनमें से प्रत्येक प्रक्रिया की लागत कहीं भी होती है। चोल का यह अनुग्रहपूर्ण समर्थन न केवल इन बच्चों को दूसरा जीवन देने वाला है, बल्कि इन परिवारों को आर्थिक और सामाजिक रूप से उत्थान करने वाला है। और हमारा सबसे बड़ा पुरस्कार बच्चों और उनके माता-पिता के चेहरे पर मुस्कान है।

चोल शिक्षा के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के उद्देश्य से कार्यक्रमों की पहचान करने और समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, वित्तीय सेवाओं और इस तरह के बारे में जागरूकता और उपयोग; स्वास्थ्य सेवा, पेयजल और स्वच्छता जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तक पहुँच और उपचाराधीन की तरह प्रावधान; आजीविका उत्पादन और कौशल विकास के माध्यम से भूख और गरीबी उन्मूलन की दिशा में काम करना; वनीकरण, मृदा संरक्षण, वर्षा जल संचयन, वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण और इसी तरह के कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करना; खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के माध्यम से खेल को बढ़ावा देना; ग्रामीण विकास परियोजनाएं शुरू करना; और कोई भी अन्य कार्यक्रम जो उनकी सीएसआर नीति के तहत आता है और समाज के वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से है।

चोला अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अपनी आय का एक हिस्सा निर्धारित करके मुरुगप्पा समूह की परंपरा को कायम रखे हुए है। हम मानते हैं कि सामाजिक जिम्मेदारी केवल एक कॉर्पोरेट दायित्व नहीं है जिसे निभाना है ... यह एक %धर्म% है।

इसलिए, हम समुदाय के लिए जो कुछ भी करते हैं वह हमारे आध्यात्मिक विवेक का प्रतिबिंब है, जो हमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों के निर्वहन का मार्ग दिखाता है। चोल देश भर में फैले हमारे क्षेत्रों के आसपास के समुदायों के लाभ के लिए गतिविधियों को जारी रखेगा, अलागप्पन कहते हैं।

ट्रक ड्राइवर, क्लीनर या मैकेनिक जिनके बच्चे जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित हैं, वे मुफ्त इलाज का लाभ उठाने के लिए श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल का रुख कर सकते हैं।

स्टॉक मार्केट में निवेश के वक्त टेक्निकल एनालिसिस का महत्व

शेयर बाजार में निवेश करने वाले शेयरों में निवेश करते समय आने वाली दिक्कतों को समझते हैं, खासकर जब अस्थिरताओं पर आवश्यक जानकारी नहीं मिल पाती। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय अनिश्चितता और बढ़ जाती है, तब निवेशक मूल्य में उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी नहीं कर पाते। औसत निवेशक आमतौर पर अपने निवेश / पोर्टफोलियो मैनेजर की सलाह पर या मेरे विशेषज्ञों की भविष्यवाणियों पर दांव लगाते हैं। टेक्निकल एनालिसिस की मदद से निवेशक स्टॉक चार्ट को देखकर इनसाइट्स प्राप्त कर पाते हैं और उन्हें स्टॉक में निवेश से जुड़े कैल्कुलेशंस जोखिम की अनुमति देते हैं जिससे वे हायर रिटर्न्स प्राप्त कर पाते हैं।

एक निश्चित अंतराल में शेयरों की कीमत और वॉल्यूम वैरिएशंस का स्टडी करते हुए भविष्य के लिए कीमत का पूर्वानुमान आसान हो जाता है। टेक्निकल एनालिसिस 100 प्रतिशत सटीकता के साथ परिणाम प्रदान नहीं करता, यह सच है लेकिन जब बाजार में सुस्ती छाई हो तो सही विकल्प चुनने में यह मूल्यवान मददगार होता है।

निवेश करते समय लोगों को टेक्निकल एनालिसिस के इन फीचर्स को समझना आवश्यक है:

1. शॉर्ट टर्म ट्रेडिंग:

शॉर्ट टर्म ट्रेडर्स टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल करते हैं और उनके लिए यह एक भरोसेमंद टूल है जो उन्हें स्टॉक के मौजूदा ट्रैजेक्टरी का अंदाज लगाने में मदद करता है।चूंकि, यह अपेक्षाकृत सीमित समयसीमा में शेयरों को खरीदने, बेचने या रखने के लिए एक रिस्की तरीका हो सकता है, पैटर्न और ट्रेंड्स का अध्ययन करने के लिए किसी विधि या कुछ टूल्स पर निर्भरता जोखिम को नियंत्रित रखने में मदद कर सकती है। इसके अलावा ट्रेडर्स इसका इस्तेमाल अनिश्चित निवेशकों को बाहर निकालने के लिए एक टूल के रूप में करते हैं। यह प्रॉमिसिंग स्टॉक्स पहचानने और सुविधाजनक निर्णय लेने का लाभ प्रदान करता है।

2. इंट्री और एक्जिट पॉइंट्स-

स्टॉक चार्ट का एनालिसिस करके निवेशक शेयरों को खरीदने और बेचने के लिए अपने इंट्री और एक्जिट पॉइंट्स का समय निर्धारित कर पाते हैं। यह डिमांड और सप्लाई को समझने के साथ ही ट्रेंड्स को तोड़ने और अधिक से अधिक रिटर्न हासिल करने का समय तय करने में मदद करता है। स्टॉक के बारे में बहुत सारी जानकारी अक्सर लोगों को भ्रमित करती है और उनके निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है, ऐसे में टेक्निकल एनालिसिस महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स को सरल बनाता है, निवेशकों के लिए ट्रेडिंग को सुव्यवस्थित करता है।

3. कीमत के पैटर्न्स का एनालिसिस:

स्टॉक ट्रेडिंग में बुद्धिमानी से भरे निर्णय लेने के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक होने के नाते टेक्निकल एनालिसिस से प्राइज पैटर्न का एनालिसिस निवेशकों को बेस्ट प्राइज पर खरीदने या बेचने में काफी मदद कर सकता है। इससे उन्हें मूवमेंट और ओवर-वैल्यूएशन से बचने की अनुमति मिलती है क्योंकि बदलते मूल्यों की भविष्यवाणी आसान हो जाती है। वे संभावित टारगेट तय करने में भी उपयोगी हो सकते हैं, वहीं शुरुआती ट्रेंड रिवर्सल भी पहचाना जा सकता है। जैसे पैटर्न खुद को दोहराते हैं, निवेशकों को सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। रोजमर्रा के कामों में टेक्निकल एनालिसिस लागू नहीं होते।

4. सपोर्ट और रेजिस्टेंस लेवल-

इस परिदृश्य में लंबी अवधि तक शेयरों की कीमत में एक सीमा में उतार-चढ़ाव दिखता है, जिससे स्टॉक की बिक्री और खरीद पर भविष्यवाणी करना और कॉल लेना मुश्किल हो जाता है। टेक्निकल एनालिसिस की सहायता से स्टॉक चार्ट के भीतर सपोर्ट और रेजिस्टेंस स्तरों की पहचान करने से निवेशक को खरीदने या बेचने के बारे में निर्णय लेने के लिए प्रासंगिक विकल्प मिल सकते हैं। यदि कोई विशेष स्टॉक सपोर्ट और रेजिस्टेंस सीमा को पार करता है, तो यह ट्रेडिंग करने योग्य होता है जो उसके अच्छे स्वास्थ्य और मांग को दर्शाता है।

5. ट्रेंड्स का एनालिसिस

चाहे वह टेक्निकल एनालिसिस टूल के इस्तेमाल की बात हो या न हो, शेयर बाजारों के मौजूदा ट्रेंड्स को समझना किसी भी निवेशक के लिए सिस्टम में प्रवेश करने से पहले की एक बुनियादी आवश्यकता है। व्यावहारिक निर्णय लेने के लिए वर्तमान और व्यापक डिग्री में बाजार के ट्रेंड्स को समझना आवश्यक है। टेक्निकल एनालिसिस किसी स्टॉक के ऐतिहासिक, वर्तमान, समग्र प्रदर्शन और स्वास्थ्य को सामने लाता है। फिर चाहे वह अपट्रेंड्स, डाउनट्रेंड्स या हॉरिजॉन्टल ट्रेंड्स में रहें, निवेशक उसकी खरीद-बिक्री का फैसला बेहतर तरीके से ले सकेंगे।

6. मूल्य और वॉल्युम एनालिसिस का कॉम्बिनेशन

अंत में, एक कॉम्बिनेशन के रूप में प्राइज मूवमेंट और वॉल्युम का एनालिसिस अक्सर निवेशकों को किसी भी चाल की वास्तविकता का पता लगाने में मदद करता है। डिमांड और सप्लाई साइकिल दोनों पहलुओं में बदलाव को प्रभावित करती है। टेक्निकल एनालिसिस ट्रेड के वॉल्युम के इतिहास के अवलोकन की अनुमति देता है। इससे स्टॉक् के ट्रेंड्स को समझने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, जब स्टॉक मूल्य बढ़ता है और परिणामी रूप से वॉल्युम भी बढ़ता तो यह एक पॉजिटिव ट्रेंड की पहचान होती है। यदि ट्रेड का वॉल्युम में मामूली वृद्धि है, तो इसे रिवर्स ट्रेंड के रूप में पहचाना जाता है। इस वजह से दो पहलुओं की कम्बाइंड स्टडी निवेशकों को पैटर्न बेहतर ढंग से समझने की अनुमति देता है।

इस वजह से, सही रणनीति के साथ निवेश करने के लिए, स्टॉक चार्ट्स के ओवरऑल असेसमेंट और उस समय के अनुसार ट्रेडिंग विकल्पों की उपलब्धता के लिए टेक्निकल एनालिसिस टूल फायदेमंद हो सकते हैं।

पुलिस अकादमी के आईपीएस अधिकारी मनुमुक्त मानव की संदिग्ध मृत्यु का खुलासा क्यों नहीं हुआ?

(सबसे बड़ा सवाल ये है कि भारत कि सबसे बड़ी पुलिस अकादमी में उसी के आईपीएस अधिकारी की संदिग्ध मृत्यु का खुलासा क्यों नहीं हुआ. मामले की जांच को छह साल बाद भी वही का वही क्यों दफनाया गया है. उनकी मृत्यु को अभी तक उजागर क्यों नहीं किया गया)

28 अगस्त 2014 को भारतीय पुलिस सेवा के युवा और प्रतिभाशाली आईपीएस अधिकारी मनुमुक्त मानव की 31साल नौ मास की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकादमी हैदराबाद तेलंगाना में स्विमिंग पूल में डूबने से संदिग्ध मृत्यु हो गई थी. स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही एक विदाई पार्टी के बाद आधी रात को जब मनमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला तो अकादमी ही नहीं पूरे देश में हड़कंप मच गया था क्योंकि यह भारत की सर्वोच्च पुलिस अकादमी की 66 साल के इतिहास में घटित होने वाली सबसे बड़ी घटना थी. उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त मानव 2012 बैच और हिमाचल कैडर के परम मेधावी और ऊर्जावान युवा पुलिस अधिकारी थे. 23 नवम्बर 1983 को हिसार में जन्मे तथा पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त एनसीसी के सी सर्टिफिकेट सहित तमात उपलब्धिया प्राप्त सिंघम अधिकारी थे. वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सधे हुए फोटोग्राफर थे, सेल्फी के तो वो मास्टर थे, तभी तो उनके सभी दोस्त उनके मुरीद थे. समाज सेवा के लिए वो बड़ी सोच रखते थे. वह छोटी से उम्र में अपने दादा-दादी कि स्मृति में अपने गाँव तिगरा (नारनौल) हरियाणा में एक स्वास्थ्य केंद्र और नारनौल में सिविल सर्विस अकादमी स्थापित करना चाहते थे. समाज के लिए, उनके और भी बहुत सारे सुनहरे सपने थे, जिनको वो पूरा करने के बेहद करीब थे, मगर उनकी असामयिक मृत्यु ने उन सब सपनों को ध्वस्त कर दिया. इकलौते जवान आईपीएस बेटे कि मृत्यु मनुमुक्त के पिता देश के प्रमुख साहित्यकार और शिक्षाविद डॉ रामनिवास मानव और माँ अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ कांता के लिए किसी भयंकर वज्रपात से कम नहीं थी. ऐसे दिनों में कोई भी दम्पति टूटकर बिखर जाता मगर मानव दम्पति ने अद्भुत धैर्य का परिचय देते हुए न केवल असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे मनुमुक्त की स्मृतियों को सहेजने, सजाने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी शुरू कर दिए. उन्होंने अपने जीवन की

संपूर्ण जमापूंजी लगाकर मनुमुक्त मानव मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल हरियाणा में मनुमुक्त मानव भवन का निर्माण कर उसमे लघु सभागार,संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की. ट्रस्ट द्वारा मनुमक्त मानव की स्मृति में हर साल अढ़ाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का राष्ट्रीय पुरस्कार, इक्कीस-इक्कीस हज़ार के दो और ग्यारह-ग्यारह हज़ार के तीन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जा रहें है. मनुमुक्त भवन में साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी नियमित रूप से चलते रहते है, जिनमे अब तक एक दर्जन से अधिक देशों की लगभग तीन सौ से अधिक विभूतिया सहभागिता कर चुकी है. मात्र अढ़ाई वर्ष की अल्पावधि में ही अपनी उपलब्धियों के साथ नारनौल का मनुमुक्त भवन अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो रहा है. आईपीएस मनुमुक्त मानव युवा शक्ति के प्रतिक ही नहीं, प्रेरणा स्त्रोत भी थे. उनकी मृत्यु के छ वर्ष बाद भी उनकी यादें वैसी की वैसी है, हर वर्ष इनको बड़े सम्मान के साथ याद किया जाता है. उनके परिवार ने मनुमुक्त भवन की गतिविधियों को मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी प्रेरक स्मृतियों को जीवंत रखा हुआ है. इस कार्य में उनकी बड़ी बहन और विश्व बैंक वाशिंगटन की अर्थशास्त्री डॉ एस अनुकृति भरसक प्रयास करती रहती है. मगर अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि भारत कि सबसे बड़ी पुलिस अकादमी में उसी के आईपीएस अधिकारी की संदिग्ध मृत्यु का खुलासा क्यों नहीं हुआ. मामले की जांच को छह साल बाद भी वही का वही क्यों दफनाया गया है. उनकी मृत्यु को अभी तक उजागर क्यों नहीं किया गया. मनुमुक्त का परिवार इस आस में दिन काट रहा कि एक दिन उनको न्याय मिलेगा. न्याय मिलना भी चाहिए. ये मामला मनुमुक्त के परिवार और मात्र भारत की नया व्यवस्था से नहीं जुड़ा. भारतीय पुलिस के आईपीएस अधिकारी का इस तरह मृत्यु का ग्रास बनाना विश्व भर की पुलिस के लिए प्रश्न चिन्ह है. भारत के गृह मंत्रालय को इस मामले की जांच सीबीआई से करवाकर सच सामने लाना चाहिए ताकि मनुमुक्त को न्याय मिल सके और आने वाले युवा पुलिस अधिकारी बिना किसी भय के सीना तानकर देश सेवा कर सके।

डॉ सत्यवान सौरभ,
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
दिल्ली यूनिवर्सिटी,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

कोरोना वायरस से पुनः संक्रमण का खतरा

कोरोना वायरस अपने स्वरूप को तेजी से परिवर्तित कर रहा है। इस परिवर्तन के दौरान यह कभी पहले से ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है और कभी कमजोर। विज्ञान की भाषा में इसे न्यूटेशन कहते हैं इसी न्यूटेशन के आधार पर जब कोई वायरस तेजी से फैलने लगता है तो उसे वायरस का नया स्ट्रेन कहते हैं दुनिया भर के वैज्ञानिकों को अब तक कोरोना वायरस के 8 से ज्यादा स्ट्रेन्स मिल चुके हैं। कोरोना वायरस हर 15 दिन में अपने आप को बदलने की क्षमता रखता है। हाल ही में मलेशिया में इस वायरस का एक खतरनाक स्ट्रेन मिला, जिसे छ614ळ नाम दिया गया इसे कोरोना वायरस का नया वर्जन कह सकते हैं। मलेशिया में कोविड-19 का यह नया वर्जन भारत से लौटे एक व्यक्ति से फैलना शुरू हुआ था। जिसने 14 दिन के क्वारंटाइन को बीच में ही तोड़ दिया था। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों के अनुसार कोरोना वायरस का ये नया वर्जन छ614ळ सबसे अधिक शक्तिशाली स्ट्रेन है। ये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अधिक तेजी से फैलता है। ये पहले कोरोना वायरस से 10 गुना ज्यादा घातक और खतरनाक है न्यूटेशन की वजह से ये वायरस शरीर की कोशिकाओं से चिपकने की अपनी शक्ति को पहले से बढ़ा लेता है। कोई भी वायरस अपनी स्पाइक प्रोटीन की मदद से शरीर की कोशिकाओं से चिपक जाता है। कोरोना वायरस के आसपास कांटो जैसी आकृति ही स्पाइक प्रोटीन कहलाती है?।

कोविड-19 के नए वर्जन पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार अब यह कांटे पहले से ज्यादा घातक हो गए हैं और कोशिकाओं पर ज्यादा तीखा प्रहार करने में सक्षम हो गए हैं। इसलिए सवाल ये है कि अगर इस वायरस से लड़ने वाली वैक्सीन बन भी गई तो क्या वो अलग-अलग प्रकार के कोरोनावायरस का सामना कर पाएगी ? जब तक वैक्सीन बनेगी, ये वायरस अपने आप को बदल चुका होगा और बदले हुए रूप पर यानी उस वर्जन पर ये वैक्सीन काम नहीं करेगी।

अबतक इस वायरस की संरचना पर जो भी परिवर्तन हुए हैं वो इसकी स्पाइक प्रोटीन में हुए हैं, जो इस वायरस का ऊपरी हिस्सा है। इसके निचले हिस्से में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैक्सीन के साथ-साथ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता वायरस पर पहला प्रहार इसी हिस्से में करती है। अतः कोविड-19 में हुए बदलाव वैक्सीन पर कोई प्रभाव नहीं डालेंगे।

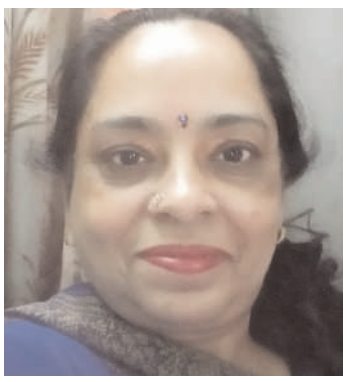

एक बार संक्रमण होने पर ठीक हो जाने के बाद ये संक्रमण दोबारा भी हो सकता है। ठीक हो जाने के बाद भी इसके प्रभाव शरीर में बने रहते हैं और कमजोर शरीर में अनेक समस्याएं पैदा हो सकती हैं और शरीर दूसरी बीमारियों का शिकार हो सकता है। पूरी दुनिया में इस समय दो करोड़ 30 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस का शिकार हो चुके हैं। इनमें से आधे लोग ठीक होने के बाद भी इस वायरस से किसी न किसी रूप में परेशान हैं। इन 50ल लोगों में कुछ को लंबे समय तक थकान बनी रहती है, कुछ को सांस लेने में परेशानी होती है, कुछ लोगों को ऑटो इम्यून बीमारियां हो जाती हैं, जिनमें शरीर खुद से ही लड़ने लगता है और अपनी ही कोशिकाओं को नष्ट करने लगता है। कुछ लोगों को न्यूरोलॉजिकल परेशानियां होने लगती हैं। कुछ दिल के मरीज बन जाते हैं। कई मरीजों को डायरिया हो जाता है। आमतौर पर ये लक्षण कम से कम 4 हफ्तों तक बने रहते हैं। कभी-कभी इससे भी ज्यादा दिनों तक ऐसा हो सकता है और ठीक होने में 4 से 6 महीने तक भी लग सकते हैं। इस संक्रमण से ठीक हो जाने के बाद सबसे बड़ी समस्या थकावट की है।

अतः संक्रमण से ठीक होने के बाद भी बहुत सावधानी की आवश्यकता है। भारत में 30 लाख से अधिक कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले सामने आए हैं और हर रोज इस वायरस के औसतन 60 हजार मरीज आ रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा 58 हजार से पार जा चुका है। फिर भी खुशी की बात यह है कि भारत में रिकवरी रेट 75ल तक पहुंच चुका है। यानी 30लाख मरीजों में से 22 लाख ठीक भी हो चुके हैं। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि एक बार ठीक होने के बाद यह संक्रमण दोबारा नहीं होगा। इस पर अनेकों शोध चल रहे हैं।

इसी साल अप्रैल में हांगकांग के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ और कुछ दिनों में वह ठीक भी हो गया। लेकिन इसी महीने में जब वह यूरोप से वापस लौटा तो वह एक बार फिर से इस वायरस से संक्रमित हो चुका था। इसकी पुष्टि एयरपोर्ट में जांच में हुई। हांगकांग में इसको कोविड-19 का पहला रिइन्फेक्शन केस कहा जा रहा है यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग के वैज्ञानिकों ने जांच के दौरान देखा कि इस व्यक्ति में दोनों बार अलग-अलग प्रकार के कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ है पहली बार में कोविड-19 के लक्षण पैदा हुए, किंतु दूसरी बार में कोई लक्षण दिखाई नहीं दिए। यानी दूसरी बार का संक्रमण पहले से कमजोर था। अतः एक बार संक्रमित हो जाने पर ठीक हो जाने के बाद भी बहुत अधिक सावधानी रखने की आवश्यकता होती है।

रंजना मिश्रा
कानपुर, उत्तर प्रदेश

नेशनल रिक्रायरमेंट एजेंसी की मंजूरी-एक वेहतर व्यवस्था

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिपरिषद द्वारा नेशनल रिक्रायरमेंट एजेंसी की मंजूरी देना देश के लिए रोजगार के अवसर के साथ विद्यार्थी के लिए बचत, दूर दराज की यात्रा और अनेक प्रकार की तैयारियों से राहत देने वाला है।अब अलग अलग पदों और विभागो के लिए परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए एक ही भर्ती परीक्षा ली जाएगी वो भी जिला में ही। जिला में भर्ती सेंटर होंगी जहां ये परीक्षाएँ आयोजित करायी जाएँगी। हजारों परीक्षा केन्द्र तथा बारह भाषाओं में ये परीक्षाएँ ली जायेंगी।पहले ऐसे

सिस्टम नहीं थे अलग अलग विभागों के अलग अलग भेकेंसी और अलग अलग तैयारी करनी पड़ती थी। जिससे परीक्षार्थी को खर्च और कठिन परिश्रम करना होता था और दूर दराज सफर भी लेकिन अब ऐसा नहीं होगा अब एक बार ही परीक्षा पास करना होगा। वे एक स्लेवस से तैयारी कर सकेंगे ।

आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब विभिन्न व्यवस्था के साथ केन्द्रीय सेवाओं के लिए इस तरह की व्यवस्था परिवर्तन हो रहे है।यह युवाओं के लिए शकुन भरा और क्रांतिकारी साबित होने वाला है।लंबे समय से इस तरह की एक व्यवस्था की जरूरत मानी जा रही थी।यह महिलाओं के सुरक्षा के लिए भी वेहतर है ।बहुत सारी महिलाएँ दूर सफर में नहीं जा पाती थी टिकट और अकेले जाना संभव नही हो पाता था लेकिन अब ऐसा नही होगा जिससे ग्रामीण महिलाएँ भी बडी संख्या में निकलकर आएँगी ऐसा विशेषज्ञ मानते हैं ।

बहुत से छात्र गरीबी की वजह से तैयारी नही कर पाते थे लेकिन एक स्लेबस होने से वे भी कर पाएँगे और परीक्षा दे पाएँगे। यह एक सुनहरा मौका होगा जब सभी तरह के लोग चुनकर आयेंगे।

सरकार शूरू से ही गरीबों और युवाओं के लिए संकल्पित रही है ऐसे परिवर्तन से उसकी प्रतिबद्धता और निखर रही है। सरकार द्वारा कई प्रकार से व्यवस्था परिवर्तन विगत छः वर्षों में देखने को मिली है चाहे वह नोटबंदी हो, जीएसटी हो, जन धन योजना हो, बैको का विलय हो, तीनतालाक हो वेनामी संपत्ति कानून हो, मेंक इन इंडिया हो, कौशल विकास योजना हो सारी योजनाएँ गरीबो और महिलाओं के लिए फायदेमंद रही है।

आज बदलता भारत एक कठिन दौर से गुजर रहा है कोरोना ने हमें डैमेज किया है ऐसे में इस तरह के बदलाव से ही खोये हुए आत्मविश्वास लौटेगे और देश गति पकडेगी।आज वेरोजगारी की बढती फौज है जिसमें करोडो-करोड़ लोगों को नौकरी की आवश्यकता होगी तब कहीं जाकर कुछ सांस ले सकती है सरकारें अन्यथा सांस अटकी ही रहेगी अब आने वाला समय ही तय करेगा कि इससे कितना फायदा पहुँचा।।

आशुतोष , पटना बिहार

बंद पिंजरे में फड़फड़ाते पंख

बंद पिंजरे में फड़फड़ाते रहते हैं मेरे पंख , निहारते रहते हैं
आसमां को सूनी निगाहों से , होकर के सोने के पिंजरे में कैद
फड़फड़ाती रहती हूं, दाना है , पानी है , हवा है , लेकिन
आज़ादी को तरसते रहते हैं मेरे पंख ।

थी मैं बगिया की उन्मुक्त चिड़िया , उड़ती फिरती डाल- डाल थी ,
आवारा, बेपरवाह, मस्तमौला सी ,सपनों की उड़ती सदा उड़ान थी ।
किया कैद एक सैयाद ने , घुट - घुट कर जीने को मजबूर किया ,
बस कैद हो कर रह गई मैं मान और मर्यादा में ही , देखती हूं आसमान
पर उड़ते पंछियों को , रह जाती हूं फड़फड़ा कर के मैं भी ।
लेकिन मन की उड़ान को कैसे रोकूं , मन का पंछी उड़ता जाए ,
तन का पंछी उड़ने को आतुर , बंद पिंजरे में बैठा पंख अपने फड़फड़ाए ।

पर अब मैंने भी ये ठाना है , नहीं और फड़फड़ाना है , तोड़ कर के पिंजरा
खुले आकाश में उड़ जाना है ?, सपनों को साकार बनाना है , हां अब
मुझे भी कुछ कर के दिखाना है , अपनी मंजिल को पाना है ।

प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित हुए सेवाभावी

कुरुक्षेत्र। पुलिस और जनता के बीच सौहार्द, विश्वास और भाईचारे की भावना को विकसित करने में पुलिस ने एक अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इन सबके पीछे हमारे माननीय अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री श्रीकांत जाधव साहब भापुसे जो नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो हरियाणा के प्रमुख हैं, उनकी सोच का परिणाम है। उन्होंने चार वर्ष पूर्व मधुबन से रोटी बैंक का शुभारंभ किया जो आज हरियाणा के विभिन्न जिलों में चलायमान है। साथ ही श्रीमती आस्था मोदी पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र द्वारा निरंतर सहयोग से ही यह संभव हुआ है। ये शब्द अपराध दृश्य दल विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने भारतीय रैड क्रास सोसायटी जिला शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा कोविड 19 में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा पत्र वितरण के समय कहे।

हरियाणा पुलिस रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा जिला प्रशासन और भारतीय रैड क्रास सोसायटी का तन मन धन से सहयोग करने के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले महानुभावों में रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को भोजन व्यवस्था, प्रबंधन, निर्माण, निर्देशन और वितरण, उप प्रधान डॉ. भारतेन्दु हरीश को अमूल्य योगदान, उप प्रधान राजकुमारी पंवार को वितरण और सहयोग, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के रक्त कोष में नियुक्त वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी द्वारा विशेष सहयोग, उप निरीक्षक भीम सिंह, सेवानिवृत्त उप निरीक्षक कर्म चंद, सहायक उप निरीक्षक चांदी राम, सहायक उप निरीक्षक देवेंद्र शर्मा को सहयोग, प्रशांत शर्मा, सचित मेंहदीरत्ता को भोजन वितरण में सहयोग, डॉ. अरुण धीमान को सहयोग और सीता को भोजन निर्माण और वितरण के लिए सम्मानित किया गया। कोविड 19 में रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के प्रधान सेवक डॉ. अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में प्रतिदिन जिला प्रशासन के निर्देश पर 1500 से अधिक लोगों को भोजन पहुंचाया गया। इतना ही नहीं उन दिनों बेजुबान पशु पक्षियों के लिए भी भोजन की व्यवस्था का शुभारंभ किया गया।

इंस्टाग्राम पर उर्वशी के तीन करोड़ फॉलोअर्स

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला के प्रशंसकों की संख्या इंस्टाग्राम पर तीन करोड़ हो गयी है। उर्वशी ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए एक नोट लिखा है और एक वीडियो कोलाज पोस्ट किया है। उर्वशी ने लिखा, इंस्टाग्राम पर तीन करोड़ फॉलोअर्स का आभार। आपको प्यार दोस्तो। मेरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। मेरी जिंदगी में आने और खुशियां देने के लिए शुक्रिया। मुझे प्यार देने और बदले में मेरे प्यार को स्वीकार करने के लिए आभार। खूबसूरत यादों के लिए शुक्रिया, मैं हमेशा इसे सराहूंगी। उर्वशी ने कहा कि मेरे सिर रखने के लिए अपना कंधा आगे बढ़ाने के लिए शुक्रिया। उन्होंने प्यार दिखाने के लिए प्रशंसकों का आभार जताया है। उर्वशी इन दिनों तेलुगू फिल्म ब्लैक रोज की शूटिंग के सिलसिले में हैदराबाद में हैं।

रीम शेख ने की पुष्टि, नहीं छोड़ रहीं 'तुझसे है राब्ता' शो

मुंबई। अभिनेत्री रीम शेख ने अपने प्रशंसकों को आश्वस्त किया है कि वह तुझसे है राब्ता में कल्याणी की अपनी भूमिका नहीं छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा, तुझसे है राब्ता' को छोड़ने के बारे में कई तरह की अटकलों के बाद मैं अपना रुख साफ करना चाहूंगी और अपने प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहूंगी कि मैं शो करना जारी रखना चाहती हूं। कल्याणी का किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है और शो में जल्द ही आपको मनोरंजक मोड़ देखने मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने हाल ही में शो के निर्माताओं के साथ कुछ रचनात्मक पहलुओं के बारे में चर्चा की थी, हालांकि हम मतभेद को दूर करने और एक परिणामदायक सर्वसम्मति पर पहुंचने में सफल रहे हैं। जिस तरह से मेरा चरित्र वर्तमान में आकार ले रहा है, उससे मैं बहुत खुश हूं और अपने प्रशंसकों की प्रतिक्रियाओं का इंतजार नहीं कर पा रही हूं। शो ने पांच साल का लीप लिया है। जी टीवी शो में मल्हार की भूमिका निभा रहे अभिनेता सेहबान अजीम ने लीप के बारे में बात करते हुए कहा, हम अपने दर्शकों और प्रशंसकों से बहुत प्यार करते हैं। कल्याणी और मल्हार सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले ऑन-स्क्रीन जोड़ों में से एक हैं, लेकिन आगामी लीप निश्चित रूप से दर्शकों को आश्चर्यचकित कर देगी और मुझे यकीन है कि वे मेरे दूसरे पक्ष को देखने का आनंद लेंगे।

अगर एनसीबी बुल्लीवुड में प्रवेश कर जाए, कई ए-लिस्टर सलाखों के पीछे होंगे: कंगना

मुंबई। अपने बॉलीवुड साथियों पर चौंकाने वाले आरोप लगाते हुए, कंगना रनौत ने दावा किया कि अगर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनएसबी) जांच शुरू कर दे तो, कई ए-लिस्टर बॉलीवुड कलाकार सलाखों के पीछे पहुंच जाएंगे। कंगना ने ट्विटर के जरिए बुधवार को ये आरोप लगाया और फिल्म इंडस्ट्री को बुल्लीवुड कहा। कंगना ने अपने सत्यापित ट्विटर अकाउंट से पीएमओ कार्यालय को टैग करते हुए लिखा, अगर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो बुल्लीवुड में प्रवेश कर जाए, तो कई ए लिस्टर कलाकार सलाखों के पीछे चले जाएंगे। अगर ब्लड टेस्ट कराए जाएं तो कई चौंकाने वाले खुलासे होंगे। उम्मीद करती हूं कि पीएमओ-इंडिया स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गटर यानी बुल्लीवुड को साफ करेगी।

भूमि पेडनेकर बोलीं, फिल्मों में महिलाओं को कमतर नहीं दिखाया जाना चाहिए

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का मानना है कि फिल्मों में महिलाओं को कमतर दिखाए जाने की सोच में अब बदलाव लाया जाना चाहिए। क्योंकि अभिनेत्री के मुताबिक, महिलाओं के अंदर कई शक्तियां निहित हैं। भूमि कहती हैं, हमें लैंगिक भेदभाव के आधार पर बनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। महिलाओं और पुरुषों को दिखाए जाने के ढंग में परिवर्तन लाना चाहिए। महिलाओं को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए - हममें भी इच्छाएं हैं, महत्वाकांक्षाएं हैं, हमारी भी अपनी शारीरिक व भावनात्मक जरूरते हैं और हममें संतुलन बनाए रखने की भी क्षमता है। मेरे ख्याल से महिलाओं में सुपर पावर है। मुझे लगता है कि हमें फिल्मों में इन्हें दिखाए जाने की आवश्यकता है। भूमि आगे कहती हैं, ठीक इसी तरह से फिल्मों में पुरुषों को जिस अंदाज में पेश किया जाता है, उनमें बदलाव लाने की जरूरत है। हम पुरुषों पर यह कहकर काफी ज्यादा दबाव डाल देते हैं कि उन्हें ताकतवर बनना होगा, वे रो नहीं सकते, अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर नहीं कर सकते। ताकतवर होने का तात्पर्य इन्हीं से है।'मर्द को दर्द नहीं होता', इस सोच को बदलने की जरूरत है।

अर्जुन कपूर नई फिल्म की घोषणा के साथ ही ट्विटर पर ट्रोल

मुंबई। अर्जुन कपूर स्टारर एक बेनाम सीमा-पार लव स्टोरी फिल्म की घोषणा होते ही, ट्विटर पर लोगों ने अभिनेता को ट्रोल करना शुरू कर दिया और सोशल मीडिया पर उनके मीम की भरमार हो गई। फलस्वरूप उनका नाम ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा। मीम बनाने वालों के लिए अर्जुन एक पसंदीदा टारगेट रहे हैं और सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में नेपोटिज्म की बहस के बीच अन्य स्टार किड्स के साथ उनपर भी निशाना साधा गया है। एक यूजर ने ट्वीट किया, जिस तरह से अभी चीजें हुई हैं, इस बीच अर्जुन कपूर जैसों को कास्ट करने के लिए हिम्मत चाहिए। या तो निर्माता डंप/अति आत्मविश्वासी है। चाहे जो भी कास्ट हो, यह उसकी पिछली फिल्मों की तरह ही बहुत बड़ा डिजास्टर साबित होगा। बॉलीवुड माफिया की ओर से समर्थित इस तरह के नेपो प्रोडक्ट्स का समय जा चुका है। एक अन्य यूजर ने लिखा, हम स्टार किड्स में इंटरेस्टेड नहीं हैं..कृपया बॉयकॉट कीजिए..उन्हें फ्री मत छोड़िए..। कुछ ने व्यंग करते हुए कहा, लोगों चिंता करने की जरूरत नहीं है। अर्जुन कपूर अपने दम पर किसी फिल्म को बर्बाद करने में सक्षम हैं। वहीं एक ने उनके एक्टिंग स्किल्स का मजाक उड़ाते हुए लिखा, पानीपत.. क्या शानदार इतिहास था.बहुत अच्छी और खूबसूरत कहानी..लेकिन इस आदमी ने अपने एक्टिंग से इस फिल्म को बर्बाद कर दिया। कैशवी नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अर्जुन के अलावा रकुल प्रीत सिंह, जॉन अब्राहम और अदिति राव हैदरी भी अभिनय कर रहे हैं।

मयूर सँवाद
आपका मौहल्ला आपकी आवाज दैनिक
अखबार में छपवाने के लिये आप निम्नलिखित सामग्री/सूचना/समाचार/विज्ञापन भेज सकते हैं:
समाचार
जन प्रतिनिधि से जुड़ी समस्याएँ व सुझाव
जन-समस्याएँ - पानी, बिजली आदि
बधाई/शुभकामना एवं संदेश
विचार/प्रतिक्रिया
कविता/लघु कथा
व्यंजन बनाने की विधि
उद्घाटन की तस्वीरें
बच्चों की पेंटिंग
विद्यालयों के क्रियाकलाप की खबरें
विज्ञापन
संपर्क करें:
7011410110
7982891541
9212094209
7982891541
नियमित पाठक, पत्रकार, ब्यूरो चीफ की सदस्यता के लिए सम्पर्क करें:-
कार्यालय :- मीडिया सेंटर, सी-148, पांडव नगर, दिल्ली-110092
ईमेल - mayursamvad@gmail.com

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मनमीत कौर द्वारा ज्योति प्रिंटर्स, ई-94, सेक्टर-6, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं सी-148, पांडवनगर, शकरपुर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित।
संपादक: मानव नागर (प्रकाशित लेखों के लेखकों की राय से संपादक या प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं) किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा।